epaper.dehatsandesh.com

3 सेना ने राजौरी और रियासी के सुदूर गांवों में चिकित्सा गश्त की

5 धवन की कप्तानी में दिल्ली रायल्स के लिए खेलेंगे रास टेलर....

8 उपराज्यपाल ने जम्मू आए उत्तर-पूर्वी राज्यों के युवाओं के साथ बातचीत की

मौसम जम्मू
न्यूनतम 6 अधिकतम 20

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-36 जम्मू तवी, शुक्रवार 07 फरवरी, 2025 मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये पृष्ठ -8

कांग्रेस के लिए 'फैमिली फर्स्ट', हमारे के लिए 'नेशन फर्स्ट' : मोदी

नयी दिल्ली 06 फरवरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुए कहा कि पार्टी एक परिवार का साथ देने की अपनी राजनीति में अटकी हुई है जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र के साथ काम करती है और लगातार तीसरी बार भरोसा अर्जित करने में कामयाब रही है।

श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि

कांग्रेस का माडल फैमिली फर्स्ट का है जबकि राजग सरकार ''नेशन फर्स्ट के मानदंड को अपनाकर देश की सेवा करती है। उन्होंने कहा कि विगत में कांग्रेसी सरकारों की नीति में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण का घालमेल रहा है। कांग्रेस के लिए परिवार सबसे पहले हैं। इसलिए उनका संपूर्ण बल इसमें लगता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार शत प्रतिशत संतुष्टिकरण की नीति को लेकर अपनी योजनायें बनाकर चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दौर में योजनाओं को अटकाने, भटकाने और लटकाने की संस्कृति थी तथा कोटा

परमिट व्यवस्था से भारत में लंबे समय तक वृद्धि दर निम्न रही जिससे दुनिया में हिन्दू ग्रोथ रेट के नाम से हिन्दू समाज को बदनाम किया गया। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से मुक्त व्यापार करने वाला देश रहा है। श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण में संविधान निर्माताओं की भावनाओं का आदर किये जाने के आह्वान का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रुप से हमला किया। उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा कि संविधान को लेकर जेब में लेकर घूमने वाले लोग जातिवादी जहर की राजनीति कर रहे हैं जबकि हम संविधान की भावनाओं के अनुरुप काम करते हैं। उन्होंने कहा, '' हम संविधान को जीते हैं और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने बिना तनाव के एसटी एससी अधिनियम को मजबूत किया है, सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडर के लिए विशेष व्यवस्थायें की लेकिन कुछ लोग जातिवाद का जहर बोने में लगे हैं। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार देश के संसाधनों और समय का सर्वोत्तम उपयोग करने की प्रतिबद्धता से काम कर रही है और विकास के साथ जन कल्याण को भी आगे बढा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति की गयी। एक दूसरे के विरुद्ध संघर्ष रचा गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित राष्ट्र का रास्ता मजबूत बुनियादी ढांचे की राह से गुजरता है और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा पीढी की सबसे बडी भूमिका है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से विकसित भारत के लक्ष्य को देश की 140 करोड़ जनता के लक्ष्य के रुप में लेकर चलने का आह्वान किया और आगाह किया कि जो लोग अपने को इससे अलग करेंगे , जनता उन्हें अलग कर देगी।

मुख्य सचिव ने बडाल मौतों को रोकने के प्रशासनिक प्रयासों की समीक्षा की

जम्मू 06 फरवरी। मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने फिर से इन मौतों के पीछे के कारणों की पहचान करने के अलावा वहां जीवन की सुरक्षा के लिए किए गए प्रयासों का आकलन करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्वास्थ्य और पुलिस विभागों के सभी संबंधित लोगों की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रमुख सचिव गृह और सचिव एच एंड एमई के अलावा एडीजीपी सीआईडी, संभागीय आयुक्त जम्मू, आईजीपी जम्मू, आईजीपी सीआईडी, डीसी राजौरी, एसएसपी राजौरी, प्रिंसिपल जीएमसी जम्मू और अन्य स्थानीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी उपस्थित थे। इसमें एम्स के निदेशक भी शामिल हुए। निदेशक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, महानिदेशक आईसीएमआर, निदेशक भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान लखनऊ, निदेशक सीएफएसएल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफवायरोलॉजी डीआरडी, ग्वालियर के विशेषज्ञ और

ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए एम्स दिल्ली स्थानीय डॉक्टरों को प्रशिक्षित करेगा

अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के विशेषज्ञ स्वास्थ्य विभाग द्वारा भेजे गए नमूनों की जांच कर रहे हैं।

अटल डुल्लू ने इस अवसर पर संबंधित लोगों पर दबाव डाला कि वे अपनी सतर्कता कम न करें और इन मौतों के मूल कारण की पहचान करने के लिए स्थानीय स्तर पर उपयोग किए जाने वाले उर्वरकों, कीटनाशकों के नमूने लें। उन्होंने स्थानीय अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने के लिए भी कहा ताकि ये भविष्य में ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुसज्जित हों।

उन्होंने विशिष्ट दवाओं और विशेषज्ञों की उपलब्धता के अलावा अधिक आईसीयू बेड, ऑक्सीजन संयंत्र, आइसोलेशन वार्ड जोड़ने की आवश्यकता की जांच हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं का ऑडिट करने का निर्देश दिया।

मुख्य सचिव ने एम्स, नई दिल्ली से ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए यहां स्थानीय चिकित्सकों की क्षमता बढ़ाने में अपना समर्थन देने का भी आग्रह किया। उन्होंने विशेष प्रशिक्षण के लिए कुछ डॉक्टरों को वहां भेजने और यूटी के अस्पतालों में कई और अस्पतालों की क्षमता निर्माण के लिए वहां से कुछ विशेषज्ञों को भेजने का भी सुझाव दिया। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के स्वास्थ्य विशेषज्ञों से भी बात की और भविष्य की कार्रवाई के लिए उनके सुझाव मांगे। उन्होंने इसके साथ ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इन संस्थानों से प्राप्त और अभी आने वाली परीक्षण रिपोर्टों के आलोक में अपनी जांच समाप्त करने का निर्देश दिया। सचिव एचएंडएमई, डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह ने बैठक में बताया कि परिवारों को अलग करने और परीक्षण के बाद उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराने के लिए हर उपाय किया गया है। उन्होंने पीएचसी कंडी और जीएमसी राजौरी में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई गई दवाओं और चिकित्सा टीमों के बारे में भी जानकारी दी।

उमर से क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने और घोषणापत्र के वादों को पूरा करने का आह्वान किया : अंकुर शर्मा

जम्मू 06 फरवरी । जम्मू-कश्मीर के भाजपा प्रवक्ता अंकुर शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार से 2025 के लिए एक संतुलित और न्यायसंगत बजट पेश करने का आग्रह किया है। जिससे जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों का समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके। शर्मा ने दोनों क्षेत्रों के बीच लंबे समय से चली आ रही आर्थिक और विकासात्मक असमानताओं को खत्म करने की आवश्यकता पर जोर दिया और ऐसे बजट की मांग की जो समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करे। अंकुर शर्मा ने बताया कि एनसी सरकार अतीत में संसाधनों का उचित वितरण सुनिश्चित करने में विफल रही है। अक्सर प्रमुख विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और रोजगार के अवसरों में जम्मू की उपेक्षा की जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आगामी बजट में संसाधनों को आनुपातिक रूप से आवंटित करके, धन के उपयोग में पारदर्शिता सुनिश्चित करके और दोनों क्षेत्रों में समान विकास को बढ़ावा देकर इस असंतुलन को ठीक करना चाहिए। उन्होंने सीएम से सरकार के घोषणापत्र में की गई प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का आह्वान किया। विशेष रूप से दैनिक वेतन, संविदा और तदर्थ कर्मचारियों के नियमितीकरण का जो वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा ये कर्मचारी विभिन्न सरकारी विभागों की रीढ़ हैं। फिर भी वे नौकरी की असुरक्षा और देरी से मिलने वाले वेतन के कारण पीड़ित हैं। सरकार को उन्हें नियमित करने और उनकी सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने के अपने वादे को पूरा करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा शर्मा ने बेरोजगारी को दूर करने और जम्मू.कश्मीर के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए ठोस उपायों की मांग की। उन्होंने सरकार से ऐसी नीतियां पेश करने का आग्रह किया जो निजी क्षेत्र के निवेश, कौशल विकास कार्यक्रमों और विशेष रोजगार अभियानों को प्रोत्साहित करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि युवा पेशेवरों और स्नातकों को काम के लिए पलायन न करना पड़े।

मैं जम्मू कश्मीर पुलिस के डीजीपी से तत्काल जांच शुरू करने का आग्रह करती हूं : महबूबा

श्रीनगर, 6 फरवरी। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्षा ने गुरुवार को दावा किया कि पुलिस हिरासत में यातना के बाद माखन दीन की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि मैं जम्मू कश्मीर पुलिस के डीजीपी से तत्काल जांच शुरू करने का आग्रह करती हूं। एक्स के माध्यम से महबूबा ने कहा कि कठुआ से चौंकाने वाली खबर मिली जिसमें बिलावर के पेरोडी निवासी 25 वर्षीय माखन दीन को बिलावर के एसएचओ ने ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) होने के झूठे आरोपों में हिरासत में लिया। उन्होंने कहा कि कठुआ में कथित तौर पर उसे बुरी तरह पीटा गया और यातना दी गई, उससे जबरन कबूलनामा करवाया गया और आज दुखद रूप से उसकी मौत हो गई। इलाके को सील कर दिया गया है और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं जिससे व्यापक दहशत फैल गई है।

बारामुला में सुरक्षा जांच की अनदेखी करने पर गोलीबारी में युवक की मौत

श्रीनगर, 6 फरवरी । उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों की चौकी (नाका) की अनदेखी करने पर गोलीबारी की घटना में सोपोर के एक ट्रक चालक की मौत हो गई। 5 फरवरी को सुरक्षाबलों ने संभावित आतंकवादी गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचनाओं के आधार पर एक मोबाइल वाहन चेक पोस्ट (एमवीसीपी) की स्थापना की। जब एक संदिग्ध नागरिक ट्रक को तेज गति से आते देखा गया तो उसने बार-बार चेतावनी देने के बावजूद रुकने से इनकार कर दिया जिसके कारण 23 किलोमीटर तक तेज गति से उसका पीछा किया गया। भारतीय सेना की चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया और कहा कि सुरक्षाबलों ने ट्रक के टायरों पर गोलियां चलाईं जिससे वाहन संग्राम चौक के पास रुक गया। घायल चालक को तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बारामुला ले जाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। भारतीय सेना की चिनार कोर ने वीरवार को बताया कि आतंकवादियों की हरकत के बारे में एक बहुत ही विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर 5 फरवरी को सुरक्षाबलों द्वारा एक मोबाइल वाहन चेक पोस्ट (एमवीसीपी) स्थापित किया गया था। एक तेज रफ्तार संदिग्ध सिविल ट्रक देखा गया। जब उसे चुनौती दी गई तो बार-बार चेतावनी के बावजूद ट्रक नहीं रुका बल्कि चेक पोस्ट पार करते समय और तेज हो गया। सतर्क सैनिकों ने 23 किमी से अधिक समय तक वाहन का पीछा किया। टायरों को निशाना बनाकर गोलियां चलाई गईं जिससे वाहन को संग्राम चौक पर रुकना पड़ा। विस्तृत तलाशी के बाद घायल चालक को सुरक्षाबलों द्वारा तुरंत जीएमसी बारामुला ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

बीजेपी ने पार्टी विधायकों में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की

जम्मू, 6 फ़रवरी । भारतीय जनता पार्टी जम्मू और कश्मीर ने अपने मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में पार्टी विधायकों की एक बैठक की।

जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा, विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने बैठक को संबोधित किया और जम्मू-कश्मीर में वर्तमान कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की।

बैठक में डॉ. नरिंदर सिंह (विधायक), राष्ट्रीय सचिव भाजपा, पार्टी विधायक शाम लाल शर्मा, युद्धवीर सेठी, सुरजीत सिंह सलाथिया, उपाध्यक्ष, डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, महासचिव जम्मू-कश्मीर भाजपा, सीपी गंगा, विधायक राजीव जसरोटिया, विक्रम रंधावा, बलवंत सिंह मनकोटिया, आरएस पठानिया, सुरिंदर भगत, विजय शर्मा, डॉ. भारत भूषण, कुलदीप राज दुबे, सुनील भारद्वाज, शगुन परिहार, सतीश शर्मा और राजीव भगत

शामिल हुए।

सत शर्मा ने क्षेत्र में अचानक बढ़े अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विधायकों को गोलीबारी, नशाखोरी, चोरी आदि जैसे अपराधों को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन विशेषकर पुलिस विभाग के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए।

डीडीसी ने विकास परियोजनाओं पर प्रारंभिक बैठक की

रियासी 06 फरवरी। जिला विकास आयुक्त निधि मलिक ने रियासी जिले के विधायकों द्वारा प्रस्तावित प्राथमिकता वाली विकासात्मक परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ एक प्रारंभिक बैठक की अध्यक्षता की। चर्चा के तहत प्रमुख परियोजनाओं में सड़क चौड़ीकरण, नई सड़क निर्माण, खेल बुनियादी ढांचे और बिजली, स्वास्थ्य देखभाल और शैक्षिक सुविधाओं में वृद्धि शामिल है। डीडीसी ने एक्सईएन को विशेषज्ञ सुझाव प्रदान करने और आवश्यक संशोधनों के लिए विधायकों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इन परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है

विशिष्ट फसल खेती, किसान सशक्तिकरण पर जोर

जम्मू 06 फरवरी। कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जावेद अहमद डार ने निदेशालय कार्यालय में कृषि विभाग के कामकाज के संबंध में एक व्यापक समीक्षा बैठक की।

मंत्री ने जम्मू के सभी जिलों में कृषि पहलों की प्रगति का आकलन किया और इस क्षेत्र में नवाचार, किसान समर्थन और सतत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने विशेष रूप से सुगंधित और औषधीय महत्व वाली फसलों की खेती की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों के लिए नए अवसर तलाशने के लिए वन और आयुष विभागों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया।

मंत्री ने अन्य किसानों के प्रोत्साहन के लिए प्रगतिशील कृषि पद्धतियों को उजागर करने पर जोर दिया। मंत्री ने जोर देकर कहा, हमें अपनी सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने की जरूरत है, चाहे वह उच्च तकनीक वाली खेती हो या प्रगतिशील तकनीक, ताकि अधिक से अधिक किसान आधुनिक प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों।

उन्होंने अधिकारियों से नियमित क्षेत्र का दौरा करने, किसानों से सीधे जुड़ने और उन्हें टिकाऊ कृषि तरीकों के बारे में मार्गदर्शन करने को कहा। उन्होंने सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया कि वे हर किसान तक उनके दरवाजे तक पहुंचें।

जावेद डार ने उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि मशीनरी, बोरवेल और पॉली हाउसिंग सुविधाओं के त्वरित वितरण पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, कर्मचारियों की कमी के बावजूद, मैं देखता हूं कि कृषि विभाग सराहनीय काम कर रहा है।卐 उन्होंने अधिकारियों और क्षेत्रीय पदाधिकारियों को जमीनी स्तर पर किसानों को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सेना की मारक क्षमता बढ़ेगी, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम खरीदे जाएंगे

नई दिल्ली, 06 फरवरी। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए गुरुवार को पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए कुल 10,147 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। पिनाका के लिए इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) और म्यूनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा शक्ति सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ सौदा किया गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 29 जनवरी को इस सौदे के लिए मंजूरी दी थी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पिनाका रॉकेट और लॉन्चरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने चार पिनाका रेजिमेंट को शामिल किया है, जिनमें से कुछ लॉन्चर चीन के साथ उत्तरी सीमाओं के साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी तैनात किए गए हैं। सरकार ने देश की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर छह पिनाका रॉकेट रेजिमेंट बनाने का फैसला किया है। लम्बी दूरी तक मार करने के लिए फ्री फ्लाइट आर्टिलरी रॉकेट सिस- टम की मारक क्षमता 45 किलोमीटर है, जबकि हवाई हथियारों को 37.5 किमी. की दूरी तक लॉन्च किया जा सकता

रक्षा मंत्रालय ने ईईएल और एमआईएल के साथ 10,147 करोड़ के अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

है। इसका लॉन्चर सिर्फ 44 सेकेंड में 12 पिनाका रॉकेट्स दागने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय ने आज पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए एरिया डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) टाइप-1 (डीपीआईसीएम) और हाई एक्सप्लोसिव प्री फ्रैगमेंटेड (एचईपीएफ) एमके-1 (एन्हांस्ड) रॉकेट की खरीद के लिए इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव लिमिटेड (ईईएल) और म्यूनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इन रॉकेटों की कुल लागत 10,147 करोड़ रुपये है।

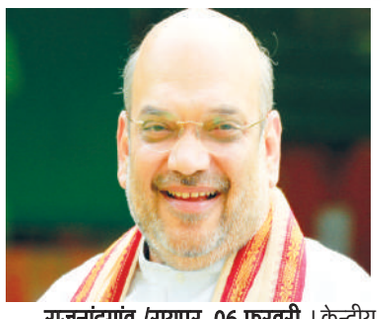

जैन मुनियों ने पूरे देश को एक करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया : अमित शाह

राजनांदगांव /रायपुर, 06 फरवरी । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आचार्य विद्यासागर महाराज के प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया और श्री 1008 सिद्धचक्र विधान विश्व शांति महायज्ञ में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने आचार्य विद्यासागर की स्मृति में 100 रुपये का स्मारक सिक्का, डाक विभाग का 5 रुपये का विशेष लिफाफा, 108 चरण चिन्हों व चित्र का लोकार्पण और प्रस्तावित समाधि स्मारक 'विद्यायतन' का शिलान्यास किया। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि जैन मुनियों ने पूरे देश को एक करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हस्तिनापुर से लेकर कर्नाटक के श्रवणबेलगोला तक, बिहार के राजगीर से लेकर गुजरात के गिरनार तक हर जगह पैदल घूम कर अपने कर्मों से अपने त्याग का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आचार्य जी ने हमें सिखाया कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति में निहित है। आचार्य विद्यासागर महाराज एक युग पुरुष थे, जिन्होंने एक नए विचार और नए युग का प्रवर्तन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आचार्य जी ने जीवन के अंतिम क्षण तक तपस्या का मार्ग नहीं छोड़ा। शाह ने कहा कि आचार्य जी ने न केवल जैन धर्म के अनुयायियों को बल्कि जैनेत्तर अनुयायियों को भी अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा से मोक्ष का मार्ग बताने का काम किया।

अमित शाह ने कहा कि जी-20 सम्मेलन के निमंत्रण पत्र पर 'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' लिख कर, मोदी जी ने विद्यासागर जी के विचारों को जमीन पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य जी के विचार को जरा भी राजनीति किए बगैर जमीन पर उतारा और उनके संदेश का अनुकरण करने का काम किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत की संत परंपरा बहुत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि देश को जब जिस भूमिका की ज़रूरत पड़ी, संत परंपरा ने उस भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि संतों ने ज्ञान का सृजन किया, देश को एकता के सूत्र में बाँधा और जब गुलामी का कालखंड था, तब संतों ने भक्ति के माध्यम से राष्ट्र चेतना की लौ जलाए रखी। उन्होंने कहा कि देश का शासन और देश जब आज़ादी के बाद पाश्चात्य विचारों से प्रभावित होकर चलने लगा, तब विद्यासागर जी महाराज एकमात्र आचार्य थे जिन्होंने भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति से खुद को जोड़े रखा।

16 फरवरी तक कोई महत्वपूर्ण मौसमी गतिविधि नहीं होने की संभावना

श्रीनगर, 06 फरवरी । मौसम विभाग ने 16 फरवरी तक जम्मू-कश्मीर में कोई महत्वपूर्ण मौसमी गतिविधि नहीं होने की संभावना व्यक्त की है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के एक अधिकारी ने बताया कि 8 फरवरी तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 9 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश व बर्फबारी की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि 10 से 11 फरवरी तक बादल छाए रहने की संभावना है तथा कुछ स्थानों पर हल्की बारिश व बर्फबारी की संभावना है। अधिकारी ने बताया कि 12 से 14 फरवरी तक मौसम शुष्क रहेगा जबकि 15 से 16 फरवरी तक जम्मू-कश्मीर के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश व बर्फबारी के साथ बादल छाए रहने की संभावना है।

कर्रा ने सोपोर, कठुआ हत्याकांड पर जताया रोष, समयबद्ध न्यायिक जांच की मांग की

श्रीनगर, 6 फरवरी । जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने गुरुवार को सोपोर इलाके में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर रोष जताया जिसमें सेना की गोलीबारी में एक ट्रक चालक की मौत हो गई।

एक बयान में तारिक हमीद कर्रा ने ट्रक चालक की हत्या की कड़ी निंदा की और इस घटना को बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं शांति प्रयासों के लिए हानिकारक हैं जिससे समाज में भय का माहौल बनता है।

निर्दोष व्यक्तियों की हत्या एक सभ्य समाज में बर्बर, अमानवीय और अस्वीकार्य है। सरकार को इस मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी निर्दोष की जान न जाए।

कर्रा ने सरकार से घटना की समयबद्ध न्यायिक जांच का आदेश देने का आग्रह किया ताकि उन तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाया जा सके जिनके कारण मृतक ट्रक चालक का परिवार तबाह हो गया।

इस बीच जेकेपीसीसी अध्यक्ष ने पेरोडी (कठुआ) के माखन दीन की हत्या की निंदा की जिसे कथित तौर पर हिरासत में लिया गया था और पुलिस हिरासत में क्रूर यातनाएं दी गईं। कर्रा ने सरकार से तथ्यों को सामने लाने और मृतक माखन दीन के परिवार को न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कर्रा ने कहा कि हालांकि घटना की मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है लेकिन यह समयबद्ध होनी चाहिए ताकि मृतक माखन दीन के परिवार को न्याय मिल सके।

सुबह क्यों सूर्य को अर्पित करना चाहिए जल

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में सूर्य को भगवान का दर्जा मिला है। ग्रह विज्ञान के हिसाब से भी सूर्य को सभी ग्रहों से श्रेष्ठ माना गया है। सूर्य ऊर्जा का स्रोत है और अन्य ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं। वे इसकी रोशनी प्राप्त करते हैं। सनातन धर्म नें भी इसके महत्व को समझा है और इसिलिए सबसे श्रेष्ठ मानते हुए सूर्य देव की पूजा को कहा गया है। सूर्य को जल अर्पित जाता है। सूर्य को जल अर्पण करने के पीछे धार्मिक कारणों के साथ साथ कुछ वैज्ञानिक तथ्य हैं।

- जिन लोगों की कुंडली मे सूर्य कमजोर होता है या जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है या फिर जो निराशावादी होते हैं और जिन्हें घर-परिवार में मान-सम्मान की अभिलाषा होती है उनके लिए सूर्य को जल चढ़ाना महत्वपूर्ण माना गया है।
- सूर्य की किरणों में सात रगों का समावेश होता है जो रंग हम कृत्रिम रोशनी में नहीं देख पाते वे सभी सूर्य की रोशनी में सपष्ट दिखाई देते हैं। सूर्य की रोशनी के कारण ही हम रंगों की सही पहचान करने में सक्षम होते हैं।
- माना जाता है कि सुबह जब कोई व्यक्ति सूर्य को जल चढ़ाता है तो सूर्य से निकलने वाली किरणें उसको स्वास्थ्य लाभ देती हैं। सुबह के समय सूरज की जो किरणें निकलती हैं वे शरीर में होने वाले रंगों के असंतुलन को सही करती हैं। सूरज की किरणों में सात रंगों का समावेश होता है। यह रंग रंगो के विज्ञान पर काम करते हैं। माना जाता है कि सुबह के समय सूर्य को जल चढ़ाते समय इन किरणों के प्रभाव से रंग संतुलित हो जाते हैं और साथ ही साथ शरीर में प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है।
- धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो सूर्य देव को आत्मा का कारक माना गया है। प्रातःकाल सूर्य देव के दर्शन से मन को बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। यह शरीर में स्फूर्ति लाता है। सूर्य प्रकाश का सबसे बड़ा स्रोत है और प्रकाश को सनातन धर्म में सकारात्मक भावों का प्रतीक माना गया है। दुख, तकलीफ और परेशानियों को रात या अंधेरे से जोड़ा गया है। जब सूर्य का उदय होता है तो अंधकार गायब होने लगता है। अर्थात सूर्य के आने से सभी नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती हैं। यही वजह है सूर्य को श्रेष्ठ ईश्वर का दर्जा दिया गया है।
- सूर्य को जल चढ़ाने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करके तांबे के लोटे से सूर्य को जल अर्पित करने का विधान है। इस विधि के दौरान जल की धारा में से उगते सूरज को देखना चाहिए इससे धातु और सूर्य कि किरणों का असर आपकी दृष्टि के साथ-साथ आपके मन पर भी पड़ेगा और आपको सकारात्मक उर्जा का आभास होता रहेगा। सूर्य को जल अर्पित करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि अर्घ्य किया हुआ जल बेकार ना जाए। वो जल किसी वनस्पति में गिरे तो आपको सौभाग्य की प्राप्ति होगी। इसके साथ साथ जल चढ़ाते वक्त सूर्य मंत्र ऊं सूर्याय नमः का जाप करते रहना चाहिए। सूर्य को जल चढ़ाने का सही वक्त सूर्योदय होता है।

क्यों खास माना जाता है पीपल का वृक्ष, जानिए इसके बारे में

सनातन धर्म में सभी जीव, जंतुओं और वनस्पतियों को महत्व मिला है। यही कारण है की किसी ना किसी रुप में नदी, पहाड़ जीव और वनस्पतियों को धार्मिक आस्थाओं के साथ जोड़ा गया ताकि लोग इन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखें। सनातन धर्म के सिद्धांतों में पीपल वृक्ष को सर्वोत्तम माना गया है। पीपल को दैवीय वृक्ष माना गया है। पीपल की पूजा की जाती है। जानिए पीपल से जुड़े कुछ तथ्य।

- पद्मपुराण में पीपल वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना गया है। इसी के चलते धर्म के क्षेत्र में पीपल के वृक्ष को दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता मिली और सभी विधि-विधानों के साथ इसकी पूजा की जाने लगी। हिंदू धर्म में अनेक अवसरों पर पीपल वृक्ष की पूजा का विधान है और मान्यता यह भी है की सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास होता है। स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तो में हरि आदि देव रहते हैं। ऐसे में पीपल वृक्ष की पूजा करने से सभी देव प्रसन्न होते हैं। पीपल में पितरों का निवास भी माना गया है। इसमें सब तीर्थों का निवास होता है इसलिए ज्यादातर संस्कार इसके नीचे कराए जाते हैं।
- ज्योतिष विज्ञान के अनुसार अगर किसी जातक की शनि साढ़ेसाती चल रही हो तो ऐसे वक्त में हर शनिवार पीपल वृक्ष में जल अर्पित करके इसके सात चक्कर लगाने से लाभ होता है। इसके साथ-साथ शाम के समय पीपल के पेड़ की जड़ में दीपक जलाना भी फायदेमंद होता है।
- हिंदु धर्म मान्यताओं के अनुसार अगर कोई व्यक्ति पीपल के पेड़ के नीचे भगवान शिव की स्थापना करके नित्य नियम से पूजा आराधना करता हो तो उसके समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं।
- पीपल के वृक्ष की महत्ता का पुराणों और अन्य धार्मिक ग्रंथों में खूब वर्णन किया गया है। इस वृक्ष की सकारात्मक उर्जा को देखते हुए ऋषि-महात्माओं नें पीपल वृक्ष के नीचे बैठ कर तप किया और ज्ञान अर्जित किया। महात्मा बुद्ध नें भी पीपल के नीचे बैठकर ही जन्म-मृत्यु और संसार के रहस्यों को जाना था।
- पीपल के वृक्ष का सिर्फ धर्म और पुराणों में नहीं बल्कि विज्ञान में भी काफी महत्व है। प्रकृति विज्ञान के अनुसार पीपल का वृक्ष दिन-रात ऑक्सीजन छोड़ता है, जो हमारे पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पीपल के पेड़ को अक्षय वृक्ष भी कहा जाता है क्योंकि ये पेड़ कभी भी पत्ते विहीन नही होता। मतलब इसमें एकसाथ पतझड़ नही होती। पत्ते झड़ते रहते हैं और नए आते रहते हैं। पीपल के वृक्ष की इस खूबी के कारण इसके जीवन-मृत्यु चक्र का द्योतक बताया गया है।

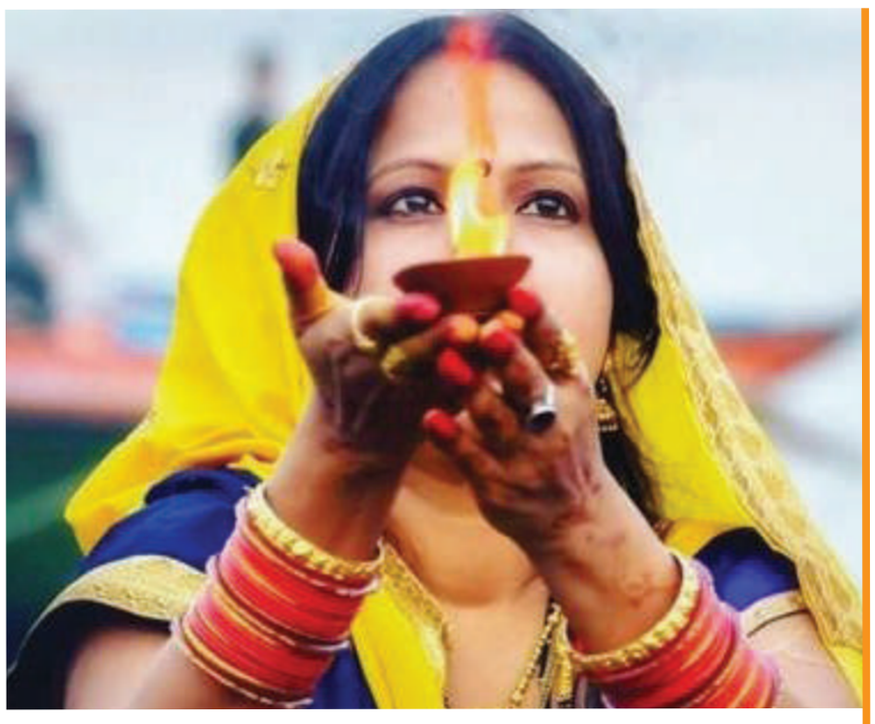

पूजा करने के दौरान इन पांच बातों को कभी न करें अनदेखा

भगवान की विशेष कृपा पाने के लिए जरूर करें पालन

पूजा-पाठ का अर्थ केवल भगवान की स्तुति कर उन्हें प्रसन्न करना नहीं होता बल्कि यह अपने मन की शांति के साथ अपने आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए भी पूजा-पाठ का बहुत महत्व है लेकिन पूजा करते समय कुछ बातें ऐसी हैं, जिनका पालन करना बहुत जरूरी है।

दोनों हाथों को मजबूती के साथ जोड़कर करें प्रणाम

भगवान के सामने या पूजा-हवन में शामिल होते वक्त हमेशा हाथों को मजबूती के साथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए। इससे यह पता चलता है कि आप पूरी सकारात्मक ऊर्जा के साथ भगवान को धन्यवाद दे रहे हैं। प्रणाम करने के बाद दोनों हाथों को माथे पर जरूर लगाना चाहिए।

जाप करते हुए या माला फेरते हुए याद रखें

जाप करते या माला फेरते हुए आपको जीभ या होठों को नहीं हिलाना चाहिए बल्कि मन-मन में जप करना चाहिए। इसे उपांशु जप कहा जाता है। ऐसे जप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हमारे पूरे शरीर में होता है। जिससे हमारा चित्त शांत होता है।

तुलसी तोड़ते हुए ध्यान रखें

बिना नहाए हुए कभी भी तुलसी नहीं तोड़नी चाहिए। साथ ही तुलसी तोड़ते हुए ध्यान रखें कि कभी भी नाखून का इस्तेमाल करके तुलसी न तोड़े। इसके अलावा संक्रांति, द्वादशी, अमावस्याल, पूर्णिमा और रविवार के दिन तुलसी तोड़ने से परहेज करें।

पीपल पर जल कब चढ़ाएं

पीपल पर हमेशा जल नहीं चढ़ाना चाहिए बल्कि शनिवार के दिन पीपल की जड़ों को सींचना चाहिए। शनिवार के दिन पीपल की विशेष पूजा करनी चाहिए। साथ ही पीपल की सात परिक्रमा करनी चाहिए।

जानवरों को जरूर खिलाएं प्रसाद

जानवरों पर भगवान की विशेष कृपा होती है क्योंकि जानवर छल-कपट से दूर होते हैं। जानवरों को पूजा पाठ के बाद हमेशा प्रसाद देना चाहिए। साथ ही इनके जीवन को आसान बनाने के लिए आपको सामर्थ्यनुसार मदद करनी चाहिए जैसे सर्दी में इनके लिए बिछौना, चटाई या बारिश में इन्हें शरण देनी चाहिए।

भूलकर भी घर में नहीं रखने चाहिए ये पौधे, देते हैं अशुभ फल

फेंगशुई के अनुसार घर में पौधे रखना घर में एनर्जी के प्रवाह को बनाए रखता है। कहा जाता है कि कुछ पौधे रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है तो कुछ पौधों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा भी आती है। इसलिए ऐसे पौधों को घर में रखने से बचना चाहिए। फेंगशुई एक्सपर्ट की मानें तो इन्हें घर में रखने से घर में बेड लक आता है। यहां हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही कुछ ऐसे ही कुछ पौधों के बारे में जिन्हें घर में नहीं रखना चाहिए। आगे की स्लाइडों में पढ़ें ऐसे ही पौधों के बारे में...

कैक्टस: फेंगशुई के अनुसार कैक्टस एक कटीला पौधा है। घर में कांटेदार पौधों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है। वैसे तो गुलाब की कांटेवाला पौधा है लेकिन घर में गुलाब लगा सकते हैं, लेकिन कैक्टस का पौधा नहीं लगाया जाता।

बोनसई: बोनसई का पौधा देखने में तो अच्छा लगता है लेकिन फेंगशुई के अनुसार इसे घर में नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है कि इस पौधे को घर में रखने से कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कपास: घर के करीब कपास का पेड़ होने से कलह की स्थिति पैदा होती है।

इमली या मेहंदी: अगर घर के आगे इमली या मेहंदी का पेड़ है तो उसे हटवा लिजिए। वास्तु के अनुसार इनमें बुरी आत्माएं वास करती हैं।

अच्छा नहीं माना जाता है घर पर आकर रुकने वाला रास्ता

कई बार आपने देखा होगा कि घर के ठीक सामने कोई रास्ता या सड़क आकर बंद हो जाती है। वास्तु में इसे अच्छा नहीं माना जाता। इसके बहुत से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। किसी सड़क या मार्ग का घर पर आकर बंद हो जाना या रुकना वास्तु दोष माना गया है। जानिए क्या नुकसान पहुंचा सकता है यह वास्तु दोष।

- जब कोई मार्ग आपके घर के सामने सीधा प्रवेश करता हो या आकर रुक जाए तो वास्तु शास्त्र की दृष्टि से वह अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में यह स्थिति अच्छी नहीं मानी गई है। कोशिश कीजिए इस तरह से कोई रास्ता आपके घर के सामने आकर ना रुके और यदि ऐसा है तो उपाय जरूर कराइए।
- विवाह योग्य युवक-युवती के कमरों की दीवार पर सुंदर चित्र लगाएं, लेकिन रोते हुए बच्चे और डूबते सूरज का चित्र कभी भी नहीं लगाना चाहिए। साथ ही जब कोई विवाह के लिए देखने आए तो इस प्रकार बैठें कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो।
- यदि प्रेम-विवाह हो रहा है और बुरे सपने या विचार आते हों तो सोते समय तकिए के नीचे चाकू या कैंची रखकर सोएं।
- घर के मुख्य द्वार पर शीशा नहीं लगा होना चाहिए। इससे वैवाहिक जीवन में अच्छा जीवनसाथी मिलने से पहले ही लौट जाता है।
- यदि घर के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, वृक्ष, खुली हुई नाली हो तो यह आपके काम में वाधा डाल सकती है। क्योंकि यह सब कुछ नकारात्मक माना जाता है। इसलिए ऐसी जगहों से बचें।
- विवाह में अतिथियों को ठहराने का स्थान हमेशा पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए।

जानिए, क्यों हाथ से खाने को माना जाता है अच्छा

हाथ से खाना खाने की हम भारतीयों की सदियों पुरानी परंपरा है। पुरातन समय से ही हमारे पूर्वज, ऋषि और महात्मा हमें हाथ से खाने की प्रेरणा देते आए हैं। लेकिन आज स्थितियां बदल रही हैं। हाथ से खाने के बजाय हमने चम्मच अथवा काटों के सहारे भोजन ग्रहण करना शुरू कर दिया। जानिए हाथ से खाना खाने के पीछे क्या कारण हैं...

- जब हम हाथ से खाना खाते हैं तब उंगलियों और अंगूठे से जो मुद्रा बनती है उससे शरीर में एक विशेष उर्जा बनती है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होती है। हमारा शरीर पांच तत्वों के योग से बना है जिन्हें जीवन उर्जा के नाम से जाना जाता है और इन्ही पांच तत्वों की उपस्थिति हमारे हाथों की उंगलियों में होती है। इसमें अंगूठे में अग्नि, तर्जनी में वायु, मध्यमा में आकाश, अनामिका में पृथ्वी और सबसे छोटी उंगली तत्व का प्रतीक मानी गई है। माना जाता है कि जब हम हाथ से खाना खाते हैं तो उंगलियों से बनने वाली मुद्रा से पंच तत्वों का प्रतिनिधित्व मिलता है।
- हाथ से खाना खानें में भोजन का अलग अहसास होता है। मगर इसमें सिर्फ स्वाद ही मुख्य कारक नहीं है। इसका एक तार्किक कारण भी है। जब हम चम्मच से खाना खाते हैं तो हमें खाने के तापमान का अंदाजा नहीं हो पाता, लेकिन यदि हम खाना खाएंगे तो हमें इस तापमान का आसानी से अहसास रहेगा। यही नहीं जब हम हाथ से खाना खाएंगे तो स्वभाविक रूप से पहले उन्हें साफ करेंगे, जबकि चम्मच का प्रयोग करने पर हम कई बार सफाई को इग्नोर कर देते हैं।
- जब हम हाथ से भोजन ग्रहण करते हैं तब हमारे हाथों में स्थित इन पाचों तत्वों की उर्जा हमारे भोजन को और उर्जावान बना देती है। इससे हमारे शरीर के अंदर प्राणाधार की उर्जा में विकास होता है।
- जब हम हाथ से खाना खाते हैं तो हमारी तंत्रिकाओं द्वारा हमारे दिमाग में संदेश पहुंचता है जिससे हमारा पाचन तंत्र सक्रिय हो जाता है और भोजन के प्रकार के अनुसार चयापचय की व्यवस्था करता है जिससे हम भोजन को सही पचाने की उर्जा प्राप्त करते हैं।
- हाथ से खाना खाने पर हम अवांछित वस्तु का अहसास कर पाते हैं जबकि चम्मच या कांटे का प्रयोग से ऐसा नहीं हो पाता। हाथ से सीधे खाने का स्पर्श अलग अहसास देता है। जो सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

वक्त का बदलना है एक सतत प्रक्रिया, बदलाव की राह पर ध्यान रखें ये 5 बातें

वक्त का बदलना एक सतत प्रक्रिया है। दिन-रात, मौसम, जन्म-मृत्यु और बदलाव एक निरंतर चक्र है। समय और जीवन का बदलाव चक्र। बिना बदलाव तरक्की नहीं हो सकती। प्रकृति भी बदलाव में यकीन करती है। जो बीत गया उसका शुक्र मनाते हुए आगे बढ़ना आना चाहिए। साथ ही जो आने वाला है उसका स्वागत करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। हमें हर बार नई सोच, नई ऊर्जा, नए विचारों, नए लक्ष्यों और नए संकल्पों के साथ नई शुरुआत करनी चाहिए। बीते अनुभव से सीख लें और आगे बढ़ जाएं। मगर बदलाव की राह पर ये 5 बातें जरूर ध्यान रखनी चाहिए-

1. **पसंद:** जब कभी भी बदलाव का सामना होता है, तब आपके सामने दो तरह के विकल्प होते हैं उसे स्वीकार करें या कन्नी काट लें। स्वीकार करने में हिम्मत और विश्वास की जरूरत होती है, चूंकि कंफर्ट जोन से बाहर कदम रखने में हमेशा हिचक होती है। लेकिन जब आप पूरे विश्वास से बढ़ते हैं तो उत्साह के साथ संभावनाओं का उदय होता है।
2. **खुशी:** हमेशा खुशी को तरजीह दें, अपने लिए भी दूसरों के लिए भी। खुशी एक ऐसा विकल्प है, जो हमें हमारे भीतर से ही मिल सकता है। हर चीज के उज्ज्वल पक्ष पर ध्यान केंद्रित करें, उदाहरण के लिए खुद से पूछें मैं इससे क्या सीख सकता हूं? या धन्यवाद व आभार के साथ हर चीज को स्वीकार करें। खुशी खुद ही करीब आती दिखेगी।
3. **स्थिरता का भाव लाएं:** अपनी वास्तविकता और बुद्धि कौशल का प्रयोग करें। इनका आपके भौतिक अस्तित्व से ज्यादा महत्व है। जीवन में जब कभी उतार-चढ़ाव वाले क्षण आएं, अपने मन और आत्मा को और विस्तार देने के लिए इन्हीं अनुभवों की मदद लीजिए। स्थिर चित्त रहेंगे तो कठिन हालात से भी निकल आएंगे।
4. **तरक्की:** जब आप समय और बदलाव को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं तो आप आगे बड़ते जाते हैं। आप अपने से बड़ी ताकत को स्वीकार करते हैं, तो आपका विश्वास बढ़ता है और उसका प्राकृतिक प्रतिफल होता है आपकी तरक्की।
5. **नई उत्पत्ति:** इस तरीके से बदलाव को स्वीकार करने के बाद मिलने वाली ताकत और वास्तविकता के धरातल से होती है नई उत्पत्ति। नए दोस्त, संबंध, सफलताएं, उत्साह व खुशियां। आने वाले समय के लिए अपने उत्साह में कमी न आने दें और खुली बांहों से बदलाव को आत्मसात करें। हर कदम में छिपे रहस्यों और उत्साह को पूरी प्रसन्नता के साथ स्वीकार करें।

इन उपायों को करने से परीक्षा में मिलेगी सफलता

बच्चों की परीक्षाएं सिर पर हैं। बच्चों के साथ माता-पिता को भी उनकी पढ़ाई को लेकर बेहद चिंता है। वैसे तो पढ़ाई में की गई मेहनत ही बच्चों के रिजल्ट में रंग लाएगी, लेकिन बच्चों की एकाग्रता बनी रहे, उनका पढ़ाई में मन लग सके, इसे लेकर फेंगशुई के कुछ आसान उपायों को अपनाया जा सकता है। इन उपायों को अपनाने से बच्चे नकारात्मक ऊर्जा से दूर रहेंगे और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपनी परीक्षा अच्छे से दे सकेंगे।

- क्रिस्टल बॉल को बच्चों के स्टडी रूम में नॉर्थ ईस्ट दिशा में रखें। इससे बच्चों में बुद्धि का विकास होता है।
- अध्ययन कक्ष में कोई कॉपी-किताब या पेन को खुला न छोड़ें। कॉपी किताबों को हमेशा उनके तय स्थान पर ही रखें।
- स्टडी टेबल के कोने कटे हुए नहीं होने चाहिए। स्टडी टेबल को दीवार से सटाकर नहीं रखना चाहिए। जिस मेज या कुर्सी पर पढ़ाई करते हों, वह टूटी हुई न हो। पढ़ाई करने वाली मेज पर कभी खाना न खाएं।
- पढ़ाई करते वक्त विद्यार्थी की पीठ के पीछे दीवार होनी चाहिए।
- पढ़ाई करते समय जूते-मोजे उतार दें। विद्यार्थी मोर पंख अपने पास रखें।
- परीक्षा देने जाते समय मीठा दही या मिष्ठान खाकर जाएं।
- फेंगशुई ग्रीन लैंप को घर की उत्तर दिशा में लगाने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगता है।
- क्रिस्टल ग्लोब को नॉर्थ-वेस्ट दिशा में रखना चाहिए। पढ़ाई आरंभ करने से पहले अपने ईष्ट देव का ध्यान कर लें। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी ऐसा ही करें।

बिजनेस में आ रही है परेशानी तो घर लें आए ये खास चीज

जीवन में सफलता और तरक्की तो हर कोई पाना चाहता है। इसके लिए आप मेहनत करते ही है। कई कितनी भी मेहनत कर लो सफलता नहीं मिल पाती। अगर आपको भी तरक्की नहीं मिल पा रही है तो फेंगशुई के इस आसान उपाय आपकी परेशानी का हल हो सकते हैं। फेंगशुई में घोड़े को तरक्की का रूप माना जाता है। यदि आपको तरक्की चाहिए तो आप घोड़े की मूर्ति घर में रख सकते है।

- घर में रखे घोड़े का स्टैच्यू तरक्की का प्रतीक है। इसे आप घर के दक्षिण दिशा में रखें इससे आपको तरक्की मिलेगी।
- घर में घोड़े की तस्वीर लगा सकते है, वहीं दुकान वगैरह में आप इसका स्टैच्यू रख सकते हैं।
- घोड़े को कभी भी लगाम के साथ नहीं रखना चाहिए। इसे इस तरह रखें कि इसकी रफ्तार रुकी हुई दिखाई दे।
- घर के बेडरूम में आप घोड़ा रखते हैं तो ध्यान रखें कि आप घोड़े का जोड़ा रखें इससे पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है। वहीं सुख-शांति आती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

भूतपूर्व सैनिकों के लिए भव्य संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारतीय सेना ने व्हाइट नाइट कोर के तत्वावधान में नौशेरा जिले में भूतपूर्व सैनिकों के लिए एक भव्य संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया जो नौशेरा दिवस स्मरणोत्सव समारोह का समापन था। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक स्थानीय लोगों ने भाग लिया और दिग्गजों, वीर नारियों और बाल सैनिकों के वीर बलिदान को श्रद्धांजलि दी। साथ ही स्थानीय लोगों की अदम्य भावना का जश्न मनाया जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए सेना के साथ मिलकर अपनी जान और संपत्ति को जोखिम में डाला। मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन, राजौरी के डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा और सैन्य और नागरिक प्रशासन के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ एनके जदुनाथ सिंह, पीवीसी और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अन्य वीरों की याद में वीर भूमि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में सीमावर्ती गाँव जब्बार और साईं बाबा स्कूल, नौशेरा के स्कूली बच्चों द्वारा एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उनके प्रदर्शनों ने समृद्ध स्थानीय विरासत और प्रतिभा को प्रदर्शित किया जिसकी सराहना जीओसी ने की जिन्होंने छात्रों और शिक्षकों को उनके समर्पण और उत्साह के लिए पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम ने नौशेरा के लोगों और पूर्व सैनिकों के बीच बातचीत के लिए एक मंच भी प्रदान किया, जिससे गर्व और एकता की भावना को बढ़ावा मिला।

सेना ने राजौरी और रियासी के सुदूर गांवों में चिकित्सा गश्त की

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए भारतीय सेना ने राजौरी और रियासी जिलों के भारख, दांती और फागला के सुदूर गांवों में चिकित्सा गश्त की। इस पहल का उद्देश्य गुज्जर और बक्करवाल समुदायों सहित स्थानीय लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है ताकि चिकित्सा सहायता सबसे वंचित क्षेत्रों तक भी पहुंच सके। चिकित्सा दल ने बुनियादी स्वास्थ्य जांच की, सामान्य बीमारियों का इलाज किया और दवाइयां वितरित कीं। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को निवारक स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित आहार के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। 37 पुरुषों और 34 महिलाओं सहित कुल 71 ग्रामीणों को चिकित्सा सेवाओं से लाभ मिला। इस पहल की स्थानीय लोगों ने गहरी सराहना की जिन्होंने उनके दरवाजे तक बहुत जरूरी स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने में भारतीय सेना के प्रयासों की सराहना की।

शैक्षिक आउटरीच कार्यक्रम के लिए केंद्रीय विद्यालय के 400 छात्रों की मेजबानी की

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू), कटरा ने उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अपनी आउटरीच पहल के तहत केंद्रीय विद्यालय नंबर 2, जम्मू कैंट के 400 उत्साही छात्रों के एक समूह का स्वागत किया। एसएमवीडीयू की एनसीसी और एनएसएस टीमों द्वारा इस यात्रा का आयोजन किया गया था। एसएमवीडीयू में एनसीसी समन्वयक डॉ. वरुण दत्ता ने एनएसएस छात्र स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेटों के साथ समन्वय प्रयासों का नेतृत्व किया। छात्रों का अकादमिक मामलों के डीन प्रोफेसर (डॉ.) बलबीर सिंह ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस यात्रा के दौरान छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर उन्नत प्रयोगशालाओं, केंद्रीय पुस्तकालय और नेटवर्किंग केंद्र सहित विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं का पता लगाया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभागार का भी दौरा किया जहाँ उन्होंने भविष्य की शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने की कल्पना की। यह अनुभव एक प्रेरक बढ़ावा के रूप में कार्य करता है जिससे छात्रों को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद एसएमवीडीयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश लेने का लक्ष्य रखने की प्रेरणा मिलती है।

इसके अतिरिक्त, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड लैंडस्केप डिज़ाइन के एसोसिएट प्रोफेसर, एआर आदित्य कुमार सिंह ने अतिथि शिक्षकों के साथ बातचीत की और विश्वविद्यालय और इसके शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

नेकां ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में स्वास्थ्य सेवा संकट का दावा किया

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी के बारे में गंभीर चिंता जताई है। सुदूर अनुसूचित जनजाति क्षेत्र पाडर की ब्लॉक समिति को संबोधित करते हुए गुप्ता ने बढ़ते स्वास्थ्य सेवा संकट को दूर करने में विफल रहने के लिए पिछले प्रशासन की आलोचना की जिससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्र विशेष रूप से असुरक्षित हो गए हैं। गुप्ता ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय को सौंपी गई एक रिपोर्ट पर प्रकाश डाला जिसमें खुलासा किया गया है कि दोनों डिवीजनों में हजारों चिकित्सा अधिकारी और पैरा-मेडिकल पद खाली हैं। इससे स्वास्थ्य केंद्रों में कर्मचारियों की कमी हो गई है खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं या तो अपर्याप्त हैं या उपलब्ध नहीं हैं।

दिल्ली में जनमत सर्वेक्षण भाजपा के बहुमत के दावे का समर्थन करते हैं : सुनील सेठी

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने कहा है कि दिल्ली में जनमत सर्वेक्षण अधिकतम सीटों पर जीत दर्ज करने और पिछले चुनावों की तुलना में अधिक मजबूत होने के पार्टी के दावों का समर्थन है।

गुरुवार को पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में प्रवक्ता बलबीर राम रतन और मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सुनील सेठी ने कहा कि दिल्ली में जनमत सर्वेक्षण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में मजबूत वृद्धि का संकेत दे रहे हैं जिससे विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल करने में पार्टी का विश्वास मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि कई सर्वेक्षणों के अनुसार भाजपा को अपने प्रतिद्वंद्वियों, विशेषकर आम आदमी पार्टी (आप) पर निर्णायक बढ़त हासिल करने का अनुमान है जो उसके शासन और नेतृत्व में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

सुनील सेठी ने कहा कि सर्वेक्षणों से पता चलता है कि मतदाताओं ने बुनियादी ढांचे के विकास, कानून और व्यवस्था और कल्याण पहलों को लेकर भाजपा पर विश्वास विकसित किया है जिससे न केवल दिल्ली में बल्कि पूरे देश में एक बड़ी आबादी को फायदा हुआ है।

सोपोर अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को कथित चिकित्सा लापरवाही के बाद सील कर दिया गया

श्रीनगर, 6 फरवरी (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में एक निजी अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को कथित चिकित्सा लापरवाही के मामले के बाद सील कर दिया गया है जहाँ कान की सर्जरी के लिए भर्ती एक महिला के गर्भाशय को निकाल दिया गया था।

सूत्रों ने कहा कि महिला हकीम सोनुल्लाह अस्पताल में एक डॉक्टर द्वारा इलाज करवा रही थी और अस्पताल में उसके कान की सर्जरी होनी थी। लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति में कथित तौर पर प्रक्रिया को एक अन्य डॉक्टर ने अंजाम दिया जिसने गलती से हिस्टेरेक्टॉमी कर दी।

लोगों के आक्रोश के बाद अधिकारियों ने चिकित्सा प्रोटोकॉल में गंभीर खामियों का हवाला देते हुए अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को सील कर दिया। मामले की गहन जांच की जा रही है और अस्पताल प्रबंधन डॉक्टरों और कर्मचारियों को उनकी स्थिति स्पष्ट करने के लिए नोटिस दिया है।

प्रारंभिक जांच और साक्ष्यों से पता चलता है कि इस ऑपरेशन थियेटर को शुरू में चालू नहीं होना चाहिए था और इसलिए हमने इसे सील कर दिया है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर सोपोर एसए रैना ने कहा कि मामले की गहन जांच चल रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीयूजे ने पाठ्यक्रम जीवनवृत्त सी.वी. लेखन पर कार्यशाला आयोजित की

जम्मू 06 फरवरी (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के शैक्षिक अध्ययन विभाग ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के सहयोग से शैक्षिक अध्ययन विभाग के अंतिम वर्ष के बी.ए. बी.एड. और एम.एड. के विद्यार्थियों के लिए सी.वी. लेखन पर कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम की शुरुआत शैक्षिक अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ. जे.एन. बलिया ने की जिन्होंने कार्यशाला के संसाधन व्यक्तियों श्री विराज मगोत्रा और श्री सूर्याक्ष दुबे तथा सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया।

पुंछ जिले में 132 जेजेएम योजनाएं आ रही हैं

पुंछ 06 फरवरी (हि.स.)। उपायुक्त विकास कुंडल और मिशन निदेशक जेजेएम खुर्शीद अहमद शाह ने पुंछ जिले में जल जीवन मिशन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

समीक्षा संगठनात्मक संरचना, चल रहे सिविल कार्यों और परियोजना कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर केंद्रित थी। कार्यकारी अभियंता जल शक्ति ने जेजेएम योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रदान किया जिसमें बताया गया कि जिले में 132 योजनाएं आ रही हैं और कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

उपायुक्त ने योजनाओं की ब्लॉकवार स्थिति की समीक्षा की और एईई और जेई को साइट-विशिष्ट मुद्दों को तुरंत हल करने और निर्धारित समय सीमा को पूरा करने के लिए काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। मिशन निदेशक ने चल रहे कार्यों में तेजी लाने और उन परियोजनाओं को शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया जो अभी तक शुरू नहीं हुई हैं।

चर्चा में विभिन्न घटकों की स्थिति पर भी चर्चा हुई जिनमें खोदे गए कुएं, पाइप नेटवर्क, जीएसआर, पंप रूम आदि शामिल हैं। मिशन निदेशक ने इंजीनियरों और संबंधित अधिकारियों से पूरी प्रक्रिया में उचित पर्यवेक्षण बनाए रखते हुए गुणवत्ता और समय पर पूरा करने को प्राथमिकता देने को कहा। बैठक में मुख्य अभियंता जल शक्ति विकास शर्मा, एसई हाइड्रोलिक सर्कल पुंछ, एसई पीएचई मैकेनिकल ग्रामीण जम्मू, एक्सईएन पीएचई जेई के साथ, एक्सईएन भूजल डिवीजन जम्मू संबंधित एईई के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं के लिए कैरियर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। स्थानीय लोगों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करते हुए भारतीय सेना ने खानेतर में महिलाओं के लिए कैरियर के अवसरों पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। इस सत्र का उद्देश्य सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में विभिन्न नौकरी की संभावनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को सुरक्षित भविष्य के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए प्रोत्साहित करना था।

इस व्याख्यान में लड़कियों, महिलाओं, वार्ड सदस्यों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों की कार्य संस्कृति के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। उपस्थित लोगों को सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए आवश्यक प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में बताया गया और उन्हें नौकरी चाहने वालों की सहायता करने वाले ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन से भी परिचित कराया गया।

करियर मार्गदर्शन के अलावा भारतीय सेना ने सामाजिक स्थिरता और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में शिक्षा और नौकरी की संतुष्टि के महत्व पर जोर दिया। इस पहल को स्थानीय ग्रामीणों ने सराहा, जिन्होंने समुदाय कल्याण के लिए सेना की प्रतिबद्धता की सराहना की।

मेटाडोर चालकों और ई रिक्शा चालकों का विवाद बढ़ा, संबंधित विभाग बना मूकदर्शक

कठुआ 06 फरवरी (हि.स.)। कठुआ शहर में मेटाडोर चालकों और ई रिक्शा चालकों का विवाद दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को मेटाडोर यूनियन के सदस्यों ने कालीबाड़ी में ई रिक्शा चालकों के खिलाफ प्रदर्शन किया और इंसाफ की मांग की।

गौरतलब हो कि बीते दोनों जीएमसी कठुआ के सामने सवारियों को लेकर ई रिक्शा चालक और मेटाडोर चालक की आपस में बहसबाजी हो गई जिसके बाद ई रिक्शा चालकों ने मेटाडोर चालक को कालीबाड़ी में पीटा। घायल मेटाडोर चालक को उपचार के लिए जीएमसी ले जाया गया और गुस्साए मेटाडोर चालकों ने ई-रिक्शा चालकों के विरोध में प्रदर्शन किया और मेटाडोर यूनियन के सदस्य आरटीओ कठुआ से भी मिले। दरअसल विवाद सवारियों को लेकर है। मेटाडोर चालकों का कहना है कि ई रिक्शा चालक शहर की सड़कों पर अपनी मनमर्जी कर रहे हैं और जहां तक कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर उनका आना जाना वर्जित है उसके बावजूद भी ई रिक्शा चालक राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरेआम सवारियों को बिठा रहे हैं। मेटाडोर यूनियन के सदस्यों ने कहा कि अगर मेटाडोर या डीजल पेट्रोल ऑटो वाले अगर रूट परमिट के अलावा किसी और रूट पर चलते हैं तो उन्हें ?2000 के करीब जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन आरटीओ विभाग की ओर से ई रिक्शा को खुली छूट दे रखी है, इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है जिसकी वजह से उनके हौसले बुलंद हो गए हैं अब हालात यह हो चुके हैं कि अब मेटाडोर चालकों पर हाथापाई करना शुरू कर दी है। इसी बीच मौके पर पहुंचे आरटीओ विभाग के अधिकारियों ने चालकों को समझाया। उन्होंने बताया कि जो भी कोई बिना रूट परमिट के पकड़ा गया तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

काबा जैसी दिखने वाली एक संरचना को किया गया ध्वस्त

बारामुला, 6 फरवरी (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में अधिकारियों ने काबा जैसी दिखने वाली एक संरचना को ध्वस्त कर दिया है जिसे वारिपोरा गांव में एक मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति ने बनवाया था।

यह व्यक्ति सूफी संत शेख नूरुद्दीन वली होने का दावा कर रहा था और लोगों को आमंत्रित कर रहा था कि अगर वे उमराह के लिए यात्रा करने में असमर्थ हैं तो वे उसके स्थल पर आएं। ग्रैंड मुफ्ती नासिर-उल-इस्लाम सहित धार्मिक विद्वानों द्वारा इस पर चिंता जताई गई और उक्त व्यक्ति की तत्काल गिरफ्तारी की मांग भी की गई थी। इसके बाद पुलिस द्वारा व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया।

सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने के लिए चाय पर बातचीत का आयोजन

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। क्षेत्र में शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना ने राजौरी जिले के सद्दा और बुधल में स्थानीय लोगों के साथ एक सामुदायिक बातचीत कार्यक्रम, चाय पर बातचीत का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सेना और आवाम के बीच गहरे संबंधों को मजबूत करना और प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों पर खुली चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने शांति, सद्भाव और विकास पर अपने दृष्टिकोण साझा किए और यह सुनिश्चित करते हुए कि समुदाय, प्रशासन और सुरक्षा बलों द्वारा सामूहिक प्रयास समाज को

मुख्यधारा में लाने की दिशा में संरेखित हों। संवादात्मक सत्र ने अंतर को पाटने, चिंताओं को दूर करने और दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान किया।

लगभग 70 पुरुषों की उपस्थिति के साथ चर्चा ने विचारों के सार्थक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाया जिससे विश्वास और आपसी समर्थन मजबूत हुआ। भारतीय सेना ने स्थानीय लोगों से बहुमूल्य प्रतिक्रिया और सुझाव भी एकत्र किए जो सामुदायिक संबंधों और क्षेत्रीय विकास को बेहतर बनाने के उद्देश्य से भविष्य की पहल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शैक्षिक आउटरीच और जागरूकता पहल को मजबूत करने का आह्वान

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के निदेशक गुलाम अब्बास ने गुरुवार को बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय (बीजीएसबीयू) के कुलपति प्रो. जावेद इकबाल से विश्वविद्यालय परिसर में मुलाकात की और शैक्षिक आउटरीच और जागरूकता अभियानों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने संचार प्रयासों, युवा जुड़ाव और शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए रणनीतियों की खोज की। प्रो. इकबाल ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रभावी संचार और समुदाय-संचालित पहलों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर दिया कि

इस तरह के सहयोग से सरकारी पहलों और छात्र समुदाय के बीच की खाई को पाटा जा सकेगा जिससे बेहतर जागरूकता और भागीदारी सुनिश्चित होगी। गुलाम अब्बास ने उच्च शिक्षा में बीजीएसबीयू के योगदान की सराहना की और सूचना प्रसार और सार्वजनिक जागरूकता के सीबीसी के जनादेश के अनुरूप पहलों के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने छात्रों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों की गहरी समझ से लैस करने के लिए संयुक्त कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और जागरूकता अभियान आयोजित करने में गहरी रुचि व्यक्त की। प्रो. इकबाल ने सीबीसी निदेशक को उनकी यात्रा के लिए आभार व्यक्त किया और ज्ञान-साझाकरण और कौशल विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकारी निकायों के साथ तालमेल में काम करने के लिए बीजीएसबीयू के समर्पण की पुष्टि की।

जम्मू-कश्मीर स्टार्टअप नीति पर जागरूकता व्याख्यान

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज की स्टार्टअप समिति और इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सेल (आईआईसी) ने जम्मू और कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान (जेकेईडीआई) के सहयोग से जीजीएम साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के सम्मानित मार्गदर्शन में जम्मू और कश्मीर में स्टार्टअप नीति पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। जेएंडके स्टार्टअप पॉलिसी 2024-27 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में नवाचार और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देना था। विभिन्न सेमेस्टर के 100 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया

जिसमे वह स्टार्टअप संस्कृति, सरकारी पहल और व्यवसाय विकास रणनीतियों पर चर्चा में शामिल हुए।

सत्र का नेतृत्व जेकेईडीआई की जिला नोडल अधिकारी मोनिका सलारिया ने किया जिन्होंने स्टार्टअप नीति के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं का गहन अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने एक स्थायी और स्केलेबल व्यवसाय शुरू करने, सरकारी सहायता तंत्र और अभिनव व्यावसायिक विचारों को उत्पन्न करने की रणनीतियों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। इससे पहले स्टार्टअप समिति की संयोजक डॉ. बलविंदर कौर ने स्वागत भाषण दिया जिसमें व्यवहार्य व्यावसायिक विचारों के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को विशिष्टता, व्यवहार्यता और प्रतिस्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकारी मिडिल स्कूल में निर्माण कार्य किया

जम्मू, 6 फ़रवरी (हि.स.)। दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के एक सराहनीय प्रयास में रोमियो फोर्स के तत्वावधान में एक

राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन ने पुंछ जिले के चिदवाली सिंदराह के सईदा मोहल्ला में सरकारी मिडिल स्कूल में एक बाथरूम का निर्माण किया है। ऑपरेशन सद्भावना के हिस्से के रूप में की गई इस पहल का उद्देश्य छात्रों के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार करना और स्कूल में बेहतर स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना है। लंबे समय से स्कूल में आवश्यक सुविधाओं का अभाव था। नए बने बाथरूम से स्वच्छता मानकों में काफी सुधार होने की उम्मीद है जिससे बच्चों और कर्मचारियों दोनों को लाभ होगा। यह कदम एक स्वस्थ और अधिक अनुकूल शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करके शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

Union Territory of Jammu and Kashmir
Office of the Executive Engineer, Mechanical & Hospital Division Udhampur
(E-mail- xenmdudh@gmail.com)

NOTICE INVITINGTENDER

For and on behalf of Lt. Governor, of Jammu & Kashmir (UT) e-tenders are invited in two cover system, from reputed and registered firms for the job mentioned below:- The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, terms & conditions, Bill of Quantities can be seen / downloaded from the J&K govt. website www.jktenders.gov.in

.	Description of work	N.I.T No	Estimated/ Approved Cost (in Lacs)	Earnest Money/ Performance Security	Cost of tender documents	Time of completion	Eligibility Criteria of Bidder	Tender Receiving Authority
01	Annual Fitness / General Repairs with Replacement of Defective Parts of Truck No JK14B 5273 and Truck No JK14B 8272 Tender ID 2025_PWDJK_271621_1	ENIT No: MHDU/TS/ 2024-25/97 Dated: 03/02/2025 Due on: 10/02/2025	1.875 (Lacs)	Earnest Money 2% of estimated amount, amounting to Rs. 3,750/- only shall be submitted by all Participating Bidder in the shape of CDR/FDR/TDR/BG. Performance Security 5% of the contract value shall be submitted by the lowest Bidder before the allotment of work order in the shape of CDR/FDR/TDR/BG.	Rs. 200/- (Fixed Amount) in the shape of challan through J&K Govt. Treasury indicating treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to MH-0059(PWD) Misc. Revenue and uploading a copy of treasury challan/receipt on e-tendering portal OR The bidder may deposit tender fee in shape of e-challan through Account No. 0028010200000009, J&K Bank, Udhampur, of Executive Engineer Mechanical Division Udhampur)	10 (Ten days)	Registered/ Reputed Mechanical firms having sufficient experience s for the similar nature work	Executive Engineer Mechanical & Hospital division Udhampur
Position	-(Available)							
Position	:-(Accorded)							

No: MHDU/TS/ 3496
Dated:- 03/02/2025

DIP/J-9834/24
Dtd: 6-2-2025

Sd-
(Er. Daljeet Singh)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Udhampur

संपादकीय

सोपोर में चिकित्सा लापरवाही

यह चिकित्सा लापरवाही की पराकाष्ठा है कि एक महिला मरीज, जिसका कथित तौर पर कान का ऑपरेशन होना था, सोपोर शहर में स्थित एक निजी अस्पताल में उसका गर्भाशय निकाल दिया गया।

जब रिश्तेदारों ने दोषियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, तो यह घटना प्रकाश में आई, स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के लिए एक टीम बनाई है, जबकि कथित स्वास्थ्य सेवा सुविधा के ऑपरेशन थियेटर को भी जांच के लिए सील कर दिया गया है। चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों की ओर से इस तरह की लापरवाही कतई अस्वीकार्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपना पेशा जारी रखने से रोकने के अलावा उचित कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है।

यह विशेष मामला और इसी तरह के कई अन्य मामले यूटी के निवासियों द्वारा मामूली बीमारियों के लिए भी मरीजों को क्षेत्र से बाहर ले जाने का कारण बनते हैं, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा लापरवाही के मामले अक्सर होते हैं, जहां लोग अनावश्यक जटिलताओं का सामना करते हैं और पर्याप्त स्वास्थ्य सेवा पाने के लिए यूटी के बाहर इलाज कराने के लिए मजबूर होते हैं।

बेशक, इस क्षेत्र में चिकित्सा पेशेवरों का ऐसा गैर-पेशेवर रवैया मरीजों के लिए नजदीकी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित अस्पतालों में जाने का मुख्य कारण बन जाता है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर के अस्पतालों में कुछ भी हो सकता है।

यह एक आम परिदृश्य है कि आर्थोपेडिक सर्जरी, हृदय संबंधी उपचार और कैंसर उपचार जैसी विशेष देखभाल की आवश्यकता वाले लोग पीजीआई चंडीगढ़, एम्स दिल्ली जैसे संस्थानों और अपोलो, फोर्टिस, श्री गंगा राम, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी और मेदांता द मेडिसिटी जैसे कॉर्पोरेट अस्पतालों में जम्मू-कश्मीर के बाहर विभिन्न स्थानों पर जाने का फैसला करने में कोई समय नहीं लगाते हैं। सोपोर से रिपोर्ट की गई चिकित्सा लापरवाही जैसे गंभीर मामले जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सुविधाओं से मरीजों को दूर ले जाने के पीछे कारण बनते हैं।

यह मुद्दा गंभीर है और इसे प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की आवश्यकता है क्योंकि अगर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ स्वास्थ्य सेवा में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार कर सकते हैं तो जम्मू-कश्मीर क्यों पिछड़ रहा है? वर्तमान नेतृत्वकर्ताओं का लोगों के प्रति बहुत अधिक ऋण है, क्योंकि एक मानक स्वास्थ्य सेवा ढांचा तैयार करना उनकी जिम्मेदारी है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा बनाने के लिए पर्याप्त काम न करने के लिए कोई बहाना उचित नहीं है। यह आवश्यक है कि सोपोर अस्पताल में हुई चूक के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के शासन का पालन करते हुए जवाबदेह ठहराया जाए, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश में एक सुसंगत स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिस पर लोग बिना किसी नुकसान, जान या वित्त के खतरे का सामना किए भरोसा कर सकें, जो दुर्भाग्य से यहां वर्तमान स्थिति है।

मोहन के जापान दौरे से मप्र के औद्योगिक विकास को मिली नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जापान दौरे में प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जो नींव तैयार की है उसका फायदा भारत की आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा।

जापान की यात्रा डॉ.मोहन यादव के लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जापान में डॉ. यादव की सादगी लोगों के दिल में उतर गई। डॉ. यादव ने अपने सोशल मीडिया में एक ऐसा वीडियो शेयर किया जो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनके सहज, सरल और आकर्षक व्यक्तित्व की विलक्षण छाप देखने को मिल रही है। लोग जापानी अंदाज और भाषा में उन्हें विदाई दे रहे हैं। इम्पीरियल होटल से चेक-आउट करते समय होटल के सदस्यों ने बड़ी देरतक खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं और तस्वीरें खिंचवाईं। लोग तब तक होटल के मुख्य द्वारा पर खड़े रहे, जब तक डॉ. यादव कार में नहीं बैठे।

हर्षवर्धन पाण्डे

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जापान यात्रा ने न केवल जापान की औद्योगिक प्रगति और विकास को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया बल्कि वहां के लोगों की जीवनशैली, संस्कृति, तकनीकी विकास को भी करीब से देखा। जापान सरकार और प्रवासी भारतीयों द्वारा डॉ. यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जापान में उनकी यात्रा का उद्देश्य मध्य प्रदेश और जापान के सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना रहा। जब वह टोक्यो पहुंचे तो उनका वहां स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए। टोक्यो में जापान के निवेशकों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ मध्य प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों और संभावनाओं के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव 卐फ्रेंड्स ऑफ एमपी-जापान卐 टीम के साथ भेंट करने के साथ ही टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औद्योगिक और निवेश सहयोग के विषय पर बैठक की जिसके बाद टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में 卐सेलिब्रेटिंग इंडिया-जापान रिलेशनशिप ः फोकस मध्यप्रदेश卐 रोड-शो में भी सहभागिता की ।

जापान के तकनीकी विकास से डॉ. मोहन यादव को काफी प्रभावित किया। उन्होंने देखा कि कैसे जापान अपने अत्याधुनिक तकनीकी अविष्कारों और इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। वहाँ की रेल प्रणाली ने उन्हें खासा प्रभावित किया। उन्होंने बुलेट ट्रेन की सवारी की और महसूस किया कि कैसे यह तकनीकी दृष्टि से दुनिया के सबसे तेज और सुरक्षित परिवहन साधनों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के साथ टोक्यो के मिनाटो-कू में विस्तृत चर्चा की जिसमें जापानी कंपनियों के मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर संभावनाओं और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। जेट्रो ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ बड़े निवेश पर चर्चा की। डॉ. मोहन यादव ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी को मध्यप्रदेश में हाइड्रो प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिये आमंत्रित किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करने वाली कंपनी एएनडीडी मेडिकल के निदेशक डाइकी अराई ने मध्य प्रदेश में निर्माण इकाई स्थापित करने की मंशा जाहिर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्य प्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार औद्योगिक इकाइयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। उज्जैन में बन रहे मेडिकल डिवाइस और मुख्य रूप से मेडिकल सेक्टर के लिए भी जापान के उद्योगपतियों से निवेश की बात कही है। सीएम डॉ. यादव के प्रयासों से मध्य प्रदेश में मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बनने जा रहा है जिसके लिए जापान से निवेशकों के बड़े प्रस्ताव भी मिले हैं। उन्होंने सिस्मेक्स की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया और मध्यप्रदेश में सिस्मेक्स को आमंत्रित किया।

एएंडडी मेडिकल ने मध्य प्रदेश में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने में विशेष रूचि दिखाते हुए इसे वर्ष के अंत तक इसे शुरू करने की बात कही है। जापान की एएंडडी मेडिकल कम्पनी वैश्विक स्तर पर चिकित्सा उपकरण और स्वास्थ्य निगरानी उत्पादों का उत्पादन करती है। डॉ. मोहन यादव ने कोबे और ओसाका में स्थित हेल्थ केयर और डॉयग्नोस्टिक कम्पनी साइसमेक्स प्रमुख औद्योगिक कम्पनियों के उद्योगपतियों के साथ बैठक की और हेल्थ केयर, ऊर्जा और मैन्युफेक्चरिंग क्षेत्रों में निवेश एवं साझेदारी पर भी चर्चा की। उन्होंने जापानी कार निर्माता कंपनी 'टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन% के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात कर उनसे मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।पैनासोनिक एनर्जी कपंनी लिमिटेड, डॉयग्नोस्टिक कंपनी साइसमेक्स सहित कई औद्योगिक कंपनियों ने बैटरी निर्माण और प्रदेश में ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में गहरी रूचि दिखाई और मध्य प्रदेश में भरपूर निवेश का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जापान दौरे में प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जो नींव तैयार की है उसका फायदा भारत की आने वाली पीढ़ियों को मिलेगा। जापान की यात्रा डॉ.मोहन यादव के लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जापान में डॉ. यादव की सादगी लोगों के दिल में उतर गई। डॉ. यादव ने अपने सोशल मीडिया में एक ऐसा वीडियो शेयर किया जो खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनके सहज, सरल और आकर्षक व्यक्तित्व की विलक्षण छाप देखने को मिल रही है। लोग जापानी अंदाज और भाषा में उन्हें विदाई दे रहे हैं। इम्पीरियल होटल से चेक-आउट करते समय होटल के सदस्यों ने बड़ी देरतक खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं और तस्वीरें खिंचवाईं। लोग तब तक होटल के मुख्य द्वारा पर खड़े रहे, जब तक डॉ. यादव कार में नहीं बैठे।

मध्य प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के 15,000 से अधिक निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है। यह सम्मेलन उद्योगपतियों के लिए आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र होगा। इस बार की समिट में जापान कंट्री पार्टनर होगा जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी। जापानी निवेशकों के अलावा अन्य देशों के भी निवेशक इस समिट में भाग लेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी।

इस आयोजन से नए उद्योगों की स्थापना, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और राज्य की औद्योगिक छवि को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद है। कहा जा सकता है कि डॉ.मोहन यादव का जापान दौरा एमपी में जापानी कंपनियों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुआ है। उन्होंने अपनी चार दिन की जापान यात्रा में न केवल जापान के प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात की और निवेश और व्यापार के नए अवसरों को तराशा बल्कि जापानी समाज और संस्कृति को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। उन्होंने वहां की तकनीकी प्रगति, कला, संस्कृति और व्यापारिक दृष्टिकोण को अपनी यात्रा के अनुभवों में समाहित किया। यह यात्रा मध्य प्रदेश और जापान के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने में भी सहायक साबित हुई है ।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

प्रयागराज महाकुंभ में वाटर एटीएम की सफलता के मायने

मुकुंद

प्रयागराज महाकुंभ में वाटर एटीएम के प्रयोग ने ऐसे धार्मिक आयोजनों में इसकी सार्थकता पर चार चांद लगा दिए हैं। उम्मीद है कि देश में होने वाले ऐसे आयोजनों में वाटर एटीएम की व्यवस्था की जाएगी। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में वाटर एटीएम के प्रयागराज महाकुंभ-2025 में मिल रही लोकप्रियता पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि महाकुंभ में देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने वाटर एटीएम के माध्यम से स्वच्छ और शुद्ध पेयजल की व्यापक व्यवस्था की गई है। महाकुंभ मेला क्षेत्र में 233 वाटर एटीएम स्थापित किए गए हैं। यह सभी 24 घंटे बिना किसी बाधा के संचालित हो रहे हैं। इनसे प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शुद्ध आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) जल प्राप्त कर रहे हैं। मेला प्रशासन के अनुसार, 21 जनवरी से एक फरवरी तक 40.85 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इन वाटर एटीएम का लाभ उठाया।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मेला प्रशासन ने वाटर एटीएम के माध्यम से निःशुल्क पेयजल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की है। पहले यह सुविधा एक रुपये प्रति लीटर के शुल्क पर उपलब्ध थी। तब श्रद्धालु या तो सिक्का डालकर या यूपीआई स्कैन के माध्यम से भुगतान कर आरओ जल प्राप्त कर सकते थे। अब यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है। इसके मकसद यह है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। यही नहीं प्रत्येक वाटर एटीएम पर एक ऑपरेटर तैनात किया गया है। वह श्रद्धालुओं के अनुरोध पर बटन दबाते ही शुद्ध जल उपलब्ध कराता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि श्रद्धालुओं को जल प्राप्त करने में कोई समस्या न हो और पेयजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे।

महाकुंभ में स्थापित वाटर एटीएम आधुनिक तकनीक से लैस है। इन मशीनों में सेंसर-आधारित निगरानी प्रणाली लगी हुई है, जो किसी भी तकनीकी खामी का तुरंत पता लगाती है। यदि किसी वाटर एटीएम में कोई तकनीकी समस्या आती है, तो इसे जल निगम के तकनीशियन तुरंत ठीक कर देते हैं।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की विशाल संख्या को देखते हुए प्रत्येक वाटर एटीएम से प्रतिदिन 12 से 15 हजार लीटर आरओ जल की आपूर्ति की जा रही है। सभी वाटर एटीएम में सिम-आधारित तकनीक का प्रयोग किया गया है। इस वजह से यह प्रशासन के केंद्रीय नेटवर्क से जुड़े रहते हैं। इस तकनीक के जरिये कुल जल खपत, जलस्तर प्रबंधन, जल की गुणवत्ता और वितरण की मात्रा पर निरंतर निगरानी रखी जाती है। हर बार जब कोई श्रद्धालु वाटर एटीएम का उपयोग करता है तो एक लीटर शुद्ध जल निकलता है, जिसे वह मशीन में लगी टोंटी के नीचे रखी बोतल में भर सकता है।

पिछले महाकुंभ आयोजनों में देखा गया था कि संगम और अन्य घाटों के आसपास प्लास्टिक की बोतलों और अन्य कचरे की समस्या गंभीर रूप से बढ़ जाती थी। इस बार प्रशासन ने न केवल स्वच्छ जलापूर्ति की व्यवस्था की है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया है। महाकुंभ मेला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि वाटर एटीएम पूरे आयोजन के दौरान बिना किसी बाधा के कार्य करते रहें। इसके अलावा प्रयागराज प्रशासन आगे भी इसी तरह की पहल करने पर विचार कर रहा है। इसका सबसे बड़ा लाभ श्रद्धालुओं को तो मिल ही रहा है, इससे प्रशासन को पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक कचरे में कमी लाने की दिशा में भी सफलता मिल रही है। यह प्रयोग श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बन गया है। यह प्रयोग ऐतिहासिक और अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है।

वाटर एटीएम का विचार नया नहीं है। सुरक्षित पेयजल की चुनौती को देखते हुए सरकार ने वैकल्पिक समाधान के रूप में वाटर एटीएम और जल शुद्धिकरण यंत्र जैसे छोटे जल उद्यमों को मान्यता देनी शुरू की है। सेफ वॉटर नेटवर्क के अनुसार, देश में सामुदायिक जलशोधन संयंत्रों की संख्या वर्ष 2014 में 12,000 थी। यह 2018 में बढ़कर लगभग 50,000 हो चुकी है। वर्तमान में यह संख्या और ज्यादा होगी। सरकार 2030 तक हर घर जल के अंतर्गत तेजी से काम कर रही है। देश के लाखों लोगो को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए वाटर एटीएम की शुरुआत 2008 में पीरामल फाउंडेशन के सेल्स हेड धर्मवीर सिंह ने की थी। उन्होंने इसके लिए सर्वजल अभियान शुरू किया था। यह वाटर एटीएम वाटर बूथ भी कहलाते हैं। जैसे की मिल्क बूथ होते हैं जो दूध उपलब्ध कराते है और ये वाटर बूथ पानी उपलब्ध कराते है। ये वाटर बूथ दिखने में एटीएम की तरह होते है, इसलिए इन्हें वाटर एटीएम भी कहा जाता है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियां क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद

प्रियंका सौरभ

एशिया में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभुत्व ने क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को काफी बदल दिया है, जिससे उसके पड़ोसियों में चिंता पैदा हो गई है। उन्नत सैन्य क्षमताओं, रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और मुखर क्षेत्रीय दावों के साथ, चीन ने पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है।

इसने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जिससे भारत जैसे देशों को अपने हितों की रक्षा करने और शांति बनाए रखने के लिए रणनीतिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियां क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद हैं। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियां दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा पर चीन के क्षेत्रीय दावे क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देते हैं, जिससे अक्सर सैन्य टकराव होते रहते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के नाइन-डैश लाइन के दावे के कारण कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ विवाद पैदा हो गया है, जिससे नेविगेशन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति कमजोर हो गई है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) ने प्रमुख क्षेत्रों में सैन्य संपत्तियों के निर्माण की अनुमति दी है, जिससे पड़ोसी देशों के पास उसकी सैन्य उपस्थिति बढ़ गई है। जिबूती में एक सैन्य अड्डे और श्रीलंका और पाकिस्तान में रणनीतिक बंदरगाहों के निर्माण से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ता है, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएं प्रभावित होती हैं। चीन का नौसैनिक विस्तार और सैन्य आधुनिकीकरण इंडो-पैसिफिक में शक्ति संतुलन के लिए सीधी चुनौती है, जहां जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे देश चिंतित हैं। इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति और ताइवान स्ट्रेट और मलक्का स्ट्रेट के पास लगातार सैन्य अभ्यास ने क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे में चिंता बढ़ा दी है। चीन की सैन्य ताकत अक्सर उसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ चलती है, जिसका उपयोग वह क्षेत्रीय प्रभुत्व को सुरक्षित करने और छोटे देशों की रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करने के लिए करता है। श्रीलंका में चीन की ऋण-जाल कूटनीति, हिंद महासागर में इसकी सैन्य उपस्थिति के साथ मिलकर, इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे आर्थिक निर्भरता सैन्य उत्तोलन में तब्दील हो सकती है। चीन का सैन्य निर्माण उसके पड़ोसियों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जिससे वे चीनी आक्रामकता का सामना करने में झिझकते हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा को बाधित कर सकता है। भारत और चीन के बीच 2017 का डोकलाम गतिरोध क्षेत्रीय दावों पर ज़ोर देने के लिए चीन द्वारा सैन्य मुद्रा का उपयोग करने का उदाहरण है, जिससे अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों पर असर पड़ा। चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए रणनीतिक गठबंधनों को मजबूत कर रही है। भारत ने विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता) में भारत की भागीदारी सैन्य सहयोग को मजबूत करती है और चीन के मुखर व्यवहार के लिए सामूहिक प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती है। भारत को चीनी आक्रामकता को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए, खासकर साइबर युद्ध, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और मिसाइल रक्षा जैसे क्षेत्रों में। रूस से भारत की एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद और ब्रह्मोस मिसाइल विकास चीन की बढ़ती मिसाइल और वायु शक्ति के खिलाफ इसकी रक्षा को मजबूत करता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक साझेदारी भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने, चीन के आर्थिक उत्तोलन के प्रति अपनी भेद्यता को कम करने में मदद कर सकती है। आत्मनिर्भर भारत पहल भारत को महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के लिए चीन पर निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए अपनी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने पर भारत का ध्यान महत्वपूर्ण है।

भारत ने चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करते हुए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ नौसैनिक सहयोग को मजबूत किया है। भारत को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए सॉफ्ट पावर का उपयोग करते हुए चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ क्षेत्रीय सहमति बनाने के लिए राजनयिक प्रयासों में भी शामिल होना चाहिए। आसियान मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका और इसकी एक्ट ईस्ट नीति दक्षिण पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ सम्बंधों को बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्र में चीन के आर्थिक और सैन्य प्रभुत्व का मुकाबला होता है। चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए बहुपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित कर रही है। भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और भारत-प्रशांत देशों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय ढांचे को बढ़ावा देना चाहिए। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भारत की भागीदारी चीन के प्रभाव का मुकाबला करने सहित सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देती है। भारत बाहरी दबाव के खिलाफ अपनी संप्रभुता का दावा करने में छोटे देशों का समर्थन करके क्षेत्रीय स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकता है। एमजीसी (मेकांग-गंगा सहयोग) जैसी परियोजनाओं के माध्यम से चीनी आर्थिक प्रभाव का विरोध करने में श्रीलंका और नेपाल को भारत का समर्थन स्वायत्तता को बढ़ावा देने का उदाहरण है। भारत को क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए रक्षा ख़र्च और सैन्य गतिविधियों में पारदर्शिता के महत्व पर जोर देना चाहिए। भारत का खुला रक्षा बजट और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भागीदारी क्षेत्रीय विश्वास में योगदान करती है और संघर्ष के जोखिम को कम करती है। समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर और समान विकास सुनिश्चित करके, भारत चीन की आर्थिक जबरदस्ती का मुकाबला कर सकता है और अधिक स्थिर क्षेत्रीय सम्बंध बना सकता है। बुनियादी ढांचे में सुधार और आसियान देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने पर भारत का ध्यान चीनी परियोजनाओं पर उनकी निर्भरता को कम करता है। भारत को क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान तंत्र को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए। भारत-चीन सीमा वार्ता में भारत की भागीदारी और दक्षिण चीन सागर विवादों पर आसियान के नेतृत्व वाली बातचीत का समर्थन क्षेत्रीय शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। जैसे-जैसे वैश्विक शक्ति की गतिशीलता बदलती है, भारत जैसे देशों को क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राजनयिक और रक्षात्मक उपायों में संलग्न रहना जारी रखना चाहिए। रणनीतिक साझेदारी, रक्षा क्षमताओं के आधुनिकीकरण और राजनयिक जुड़ाव के सही संयोजन के साथ, भारत शांतिपूर्ण और स्थिर एशिया में योगदान करते हुए अपने हितों को सुरक्षित कर सकता है।

ट्रैक साइक्लिंग में हरियाणा, कर्नाटक और अंडमान के साइक्लिस्टों का जलवा

रुद्रपुर। 38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत शिवालिक वेलोड्रोम, रुद्रपुर में ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विभिन्न श्रेणियों में देशभर के साइक्लिस्टों ने अपनी गति, तकनीक और रणनीति से दर्शकों को रोमांचित किया।

हरियाणा ने महिला एलीट टीम परसूट में जीता स्वर्ण

महिला एलीट टीम परसूट (4 किमी) स्पर्धा में हरियाणा की टीम ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। हिमांशी सिंह, परुल, अंशु देवी और मीनाक्षी की चौकड़ी ने 5.26.920 मिनट का समय निकालते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओडिशा (5.30.423) की टीम को रजत पदक और महाराष्ट्र (5.32.643) की टीम को कांस्य पदक मिला। पुरुष एलीट टाइम ट्रायल (1 किमी) में अंडमान व निकोबार के डेविड बेकहम ने 1.06.535 मिनट में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान के देवेंद्र बिश्नोई (1.06.644) ने रजत और मणिपुर के यांगलेम रोजित सिंह (1.07.874) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। महिला एलीट केरिन (5 लैप्स) स्पर्धा में कर्नाटक की कीर्ति रंगास्वामी सी ने तेज रफ्तार और जबरदस्त तकनीक के दम पर स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की श्वेता बालू गुंजाल को रजत और तमिलनाडु की श्रीमति जे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

कर्नाटक 54 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के नौवें दिन के पदक तालिका में कर्नाटक ने 54 पदकों के साथ शीर्ष पर बरकरार है। कर्नाटक ने अब तक 28 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य पदक जीते हैं। दूसरे स्थान पर सर्विसेज है, जिसने कुल 46 पदक (27 स्वर्ण, 10 रजत, 9 कांस्य) अपने नाम किए हैं। मध्य प्रदेश 34 पदकों (17 स्वर्ण, 7 रजत, 10 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र 82 पदकों के साथ सर्वाधिक कुल पदक जीतने वाला राज्य है, लेकिन इसमें स्वर्ण पदकों की संख्या 16 होने के कारण वह चौथे स्थान पर है। हरियाणा 51 पदकों के साथ पांचवें और तमिलनाडु 44 पदकों के साथ छठे स्थान पर बना हुआ है। मणिपुर, दिल्ली, केरल और पंजाब शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाए हुए हैं। मेजबान राज्य उत्तराखंड अब तक कुल 33 पदक (4 स्वर्ण, 14 रजत, 15 कांस्य) जीत चुका है और वह पदक तालिका में 15वें स्थान पर है। राष्ट्रीय खेल के दौरान खिलाड़ियों का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, और आने वाले दिनों में पदक तालिका में और बदलाव की उम्मीद की जा रही है। उत्तराखंड में आयोजित इस भव्य खेल आयोजन ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह भर दिया है।

रजत चौहान और दीपशिखा ने दिखाई शानदार प्रतिभा, हरियाणा-पंजाब और राजस्थान का तीरंदाजी में दबदबा बरकरार

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल में कंपाउंड तीरंदाजी के मुकाबलों में देशभर के तीरंदाजों ने अपनी निशानेबाजी की बेहतरीन कला का प्रदर्शन किया। राजस्थान के रजत चौहान और हरियाणा की दीपशिखा ने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। पुरुष वर्ग में जम्मू-कश्मीर के रितिक शर्मा ने रजत पदक जीता, जबकि आंध्र प्रदेश के थिरुमुरु गणेश मणिरत्नम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, महिला वर्ग में पंजाब की पर्णीत कौर ने रजत पदक और आंध्र प्रदेश की अवनीत कौर ने कांस्य पदक जीता। मिक्स्ड टीम इवेंट में हरियाणा के ऋषभ यादव और दीपशिखा की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने राज्य की श्रेष्ठता को साबित किया। उन्होंने फाइनल में आंध्र प्रदेश के थिरुमुरु गणेश मणिरत्नम और मडाला सूर्य हमसिनी को हराया। पंजाब के उदय कांबोज और पर्णीत कौर ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। पुरुष टीम स्पर्धा में दिल्ली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। अभिषेक वर्मा, प्रियांश, अमन सैनी और मधुर की टीम ने फाइनल में हरियाणा के ऋषभ यादव, कुशल दलाल, मोहित डागर और रोहित डागर को मात दी, जिन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं, राजस्थान के जस्मीत सिंह, रजत चौहान, सिद्धार्थ दुधवाल और अजय सिंह शेखावत की टीम ने कांस्य पदक जीता।

38वें राष्ट्रीय खेल में रोइंग प्रतियोगिता का शानदार समापन, मध्य प्रदेश और सर्विसेज का दबदबा

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के तहत आयोजित रोइंग प्रतियोगिता का आज शानदार समापन हुआ। यह प्रतियोगिता 3 से 5 फरवरी तक उत्तराखंड के कोटी कॉलोनी, टिहरी स्थित वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेली गई। इस रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश और सर्विसेज की टीमों का दबदबा देखने को मिला, जिन्होंने कई स्वर्ण पदक अपने नाम किए।ग्रुप ए फाइनल में मध्य प्रदेश का जलवा मध्य प्रदेश की टीम ने ग्रुप ए फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक स्वर्ण पदक जीते। लाइटवेट महिलाओं की डबल स्कल्स स्पर्धा में मध्य प्रदेश की पूनम और रुक्मणि की जोड़ी ने 07:51.96 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, महिला सिंगल स्कल्स में खुशप्रीत कौर ने 08:40.35 के समय के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। पुरुषों की कोक्सलेस पेयर स्कल्स स्पर्धा में मध्य प्रदेश के मनमोहन और भीम सिंह की जोड़ी ने 07:11.40 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

आक्रामकता और निडरता से मिलती है जीतः एडवर्ड्स

एजेंसी

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस की मुख्य कोच शॉर्लोट एडवर्ड्स ने कहा खिलाड़ियों के बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामकता और निडरता से मुकाबले में जीत हासिल होती हैं। वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 14 फरवरी से शुरु होने वाले सत्र के पहले एमआई की कोच एडवर्ड्स यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मुम्बई इंडियंस के खिलाड़ियों को पता होता है कि उनसे क्या अपेक्षा की जा रही है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण के दौरान आक्रामक रूख अख्तियार करे। हमें मालूम है कि हम कहां मजबूत है। हम चाहते हैं कि हर खिलाड़ी निडरता से खेले और खेल का आनंद उठाए। खेल के दौरान जब खिलाड़ी चेहरे पर मुस्कान होती है तो इससे मुझे और गेंदबाजी कोच झूलन गोस्वामी को खुशी मिलती है। उन्होंने

कहा, 'हमने पिछले वर्ष बेहतरीन क्रिकेट खेला था और इस साल भी हम उसी की मांग कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि लोग टीवी ऑन करें और एमआई को खेलते हुए देखे। हमने पिछले साल निश्चित रूप से ऐसा किया था और लोगों का मनोरंजन हुआ था उन्होंने कहा, 'पिछले वर्ष हम बहुत ही कम अंतर से आगे बढ़ने से चूक गए थे जो कि निराशाजनक था। लेकिन हमने उसी तरह से खेला, जैसा हम चाहते थे। इस वर्ष भी हम उत्साहित हैं। हम लगातार सुधार करना चाहते हैं और उम्मीद करते हैं कि हम इस वर्ष सीसीआई (ब्रेबोर्न स्टेडियम) में एक और फाइनल खेलें।'

युवा खिलाड़ियों को लेकर कोच ने कहा, 'युवा खिलाड़ियों की सबसे अच्छी बात है कि वे आक्रामकता लाती हैं। अब यह हम पर है कि हम उन्हें सिखाएं कि टी-20 क्रिकेट केवल छक्के मारना ही आक्रामकता नहीं है। मैं आने वाली प्रतिभाओं से बहुत प्रभावित हुई हूं। वे बहुत आगे की सोचती हैं और उनका दिमाग भी बहुत खुला है। उनको कोचिंग देना बहुत बेहतरीन अनुभव है। वे यह सब अपने चेहरे पर मुस्कान लाकर सीखती हैं, जिससे मुझे भी बहुत खुशी मिलती है।'

चोटिल कोएत्जी चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

एजेंसी

प्रिटोरिया। दक्षिण अफ्रीका तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को कमर में जकड़न की परेशानी के बाद पाकिस्तान में होने वाली एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर कर दिया गया है। प्रिटोरिया के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी करते समय कोएत्जी को कमर में जकड़न की समस्या पाये जाने पर चिकित्सा दल के निरीक्षण के बाद गंभीर चोट के लक्षणों को देखते हुए उन्हें एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर कर दिया गया है। इससे पहले दिन में दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद कोच रॉब वाल्टर ने 10 फरवरी को लाहौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें कोएत्जी भी शामिल हैं। इस टीम में छह अनकैप्ड खिलाड़ी को भी जगह दी हैं, लेकिन आने वाले सप्ताहांत में एसए-20 के समाप्त होने के साथ ही इसमें बदलाव होगा। ऐसा माना जा रहा है कि कोएत्जी की जगह कॉर्बिन बॉश और लूथो सिपामला में से किसी एक को टीम में शामिल किया जा सकता है।

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल का नौवां दिन, कर्नाटक पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के नौवें दिन तक की पदक तालिका में कर्नाटक ने 54 पदकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। कर्नाटक ने अब तक 28 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य पदक जीते हैं। दूसरे स्थान पर सर्विसेज है, जिसने 27 स्वर्ण, 10 रजत, नौ कांस्य सहित कुल 46 पदक अपने नाम किए हैं। मध्य प्रदेश 17 स्वर्ण, सात रजत, 10 कांस्य सहित कुल 24 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

महाराष्ट्र 82 पदकों के साथ सर्वाधिक कुल पदक जीतने वाला राज्य है, लेकिन इसमें स्वर्ण पदकों की संख्या 16 होने के कारण वह चौथे स्थान पर है। हरियाणा 51 पदकों के साथ पांचवें और तमिलनाडु 44 पदकों के साथ छठे स्थान पर बना हुआ है। मणिपुर, दिल्ली, केरल और पंजाब शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाए हुए हैं। मेजबान राज्य उत्तराखंड अब तक कुल 33 पदक (4 स्वर्ण, 14 रजत, 15 कांस्य) जीत चुका है और वह पदक तालिका में 15वें स्थान पर है। राष्ट्रीय खेल के दौरान खिलाड़ियों का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, और आने वाले दिनों में पदक तालिका में और बदलाव की उम्मीद की जा रही है। उत्तराखंड में

आयोजित इस भव्य खेल आयोजन ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह भर दिया है।

रोइंग में उत्तर प्रदेश के पुनीत व आदिल की जोड़ी ने जीता रजत पदक

एजेंसी

लखनऊ । उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में उत्तर प्रदेश ने रोइंग में रजत पदक जीता। टिहरी में आयोजित रोइंग की स्पर्धा में पुरुष कॉक्सलेस पेयर में उत्तर प्रदेश के पुनीत कुमार व मो.आदिल की जोड़ी ने कड़ी चुनौती पेश की और 7:15.5 के समय के साथ चांदी अपने नाम की।

वहीं मामूली अंतर से आगे रहे मध्य प्रदेश के मनमोहन व भीम सिंह ने 7:11.4 के समय के साथ स्वर्णिम सफलता हासिल की। दूसरी ओर उत्तराखंड के जसवीर सिंह व हरिंदर सिंह को 7:24.2 के समय के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।वर्तमान में देवरिया में खेल कोटे से युवा कल्याण अधिकारी के पद पर तैनात लक्ष्मण अवार्डी पुनीत कुमार एशियन गेम्स 2023 में रजत व कांस्य पदक विजेता है। वही उत्तर

प्रदेश के उभरते हुए सितारे गाजीपुर निवासी मो.आदिल ने पहली बार राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में पदक अपने नाम किया है। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खेल में अब तक 6 स्वर्ण, 6 रजत व 6 कांस्य पदक सहित कुल 18 पदक के साथ तालिका में 11वें स्थान पर पहुंच गया है।

श्रीवल्ली भामिदीपती और रिया भाटिया की भारतीय जोड़ी एलएंडटी मुंबई ओपन के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

मुंबई। श्रीवल्ली भामिदीपती, रिया भाटिया, प्रार्थना थोम्बरे और रुतुजा भोसले ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर एलएंडटी मुंबई ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल चरण में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मैचों के युगल वर्ग में श्रीवल्ली और रिया की जोड़ी ने जापान की माई होनटामा और क्योका ओकामुरा को हराया, जबकि प्रार्थना थोम्बरे और उनकी डच जोड़ीदार एरियन हार्टोनो ने भी अपना मुकाबला जीता।

अन्य मैच में दृढ़ संकल्प और धैर्य का शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड की लुक्सिका तरारुडी ने स्लोवाकिया की तीसरी वरीयता प्राप्त अन्ना कैरोलिना श्मीडलोवा को सीधे सेटों में 7-6, 6-4 से हराया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने तब तक अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि तरारुडी ने 5-4

से बढ़त नहीं बना ली। दबाव में लड़खड़ाने और श्मीडलोवा को स्कोर बराबर करने का मौका देने के बावजूद, तरारुडी की संयमित बेसलाइन रैलियां और आक्रामक फर्स्ट सर्विस टाईब्रेकर जीतने में निर्णायक साबित हुईं। अपनी लचीलापन के लिए जानी जाने वाली श्मीडलोवा ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन तरारुडी के चतुर शॉट सेलेक्शन के कारण अक्सर गलत साबित हुईं। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर रही, जिसमें श्मीडलोवा ने शक्तिशाली फोरहैंड के साथ वापसी की। हालांकि, तरारुडी के लगातार सर्विस गेम और महत्वपूर्ण क्षणों में रणनीतिक दृष्टिकोण ने उनकी उल्लेखनीय जीत सुनिश्चित की। वहीं एक अन्य आकर्षक एकल मुकाबले में जापान की माई होनटामा ने फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को सीधे सेटों में, 7-6, 6-2 से हराया। युगल मुकाबले में एरियन हार्टोनो और प्रार्थना थोम्बारे की डच-भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड की पींगटार्न प्लिप्यूच और जापान की नाहो सातो को सीधे सेटों में, 6-2, 6-3 से हराया। दूसरी ओर, स्विट्जरलैंड की पांचवीं वरीयता प्राप्त जिल टेचमैन ने टूर्नामेंट के अब तक के सबसे रोमांचक मैचों में से एक में नीदरलैंड की एरियन हार्टोनो की कड़ी चुनौती को पार कर लिया। पहला सेट हारने के बाद टेचमैन ने कड़ी टक्कर देते हुए 6-7, 6-3, 6-3 से जीत हासिल की।

केरल और उत्तराखंड फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में

एजेंसी

नैनीताल। राष्ट्रीय खेलों के तहत उत्तराखंड के हल्द्वानी में फुटबाल प्रतियोगिता के दोनों सेमीफाइनल मैच खेले गए। जिसमें केरल और उत्तराखंड ने अपने अपने मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहला मैच असम और केरल के मध्य खेला गया, जिसमें दोनों टीमें निर्धारित समय तक बराबर रही। इसके उपरांत पेनल्टी शूटआउट में केरल ने असम को 3-2 से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच उत्तराखंड और दिल्ली के मध्य खेला गया। दोनों टीमें निर्धारित समय में एक-एक गोल से बराबर रहीं। इसके उपरांत पेनल्टी शूटआउट में उत्तराखंड ने पांचों पेनल्टी शूटआउट गोल में परिवर्तित कर 5–3 से विजय हासिल की और फाइनल में जगह बना ली।

लीजेंड 90 लीगः धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलेंगे रॉस टेलर, बोले- 'ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर रोमांचित हूं'

एजेंसी

रायपुर। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार से लीजेंड 90 लीग की शुरुआत हो रही है। इस नए और रोमांचक 90 गेंदों के प्रारूप वाले टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स आमने-सामने होंगे।दिल्ली रॉयल्स टीम की कमान अनुभवी भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन के हाथों में होगी। उनके साथ न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर, वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज लेंडल सिमन्स, श्रीलंका के दनुश्का गुनाथिलका समेत कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा होंगे।

रॉस टेलर ने भारत में खेलने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे भारत में खेलना हमेशा पसंद आया है। यहां की ऊर्जा अलग होती है और इस बार लीजेंड 90 लीग का अनूठा प्रारूप इसे और भी रोमांचक बनाएगा।

टेलर ने इस नए 90 गेंदों के

प्रारूप को लेकर कहा, टी20 पहले से ही तेज प्रारूप है, लेकिन 90 गेंदों की यह लीग और भी तेज होगी। इसमें बल्लेबाजों को परिस्थितियों को जल्दी समझकर तेजी से रन बनाने होंगे, जबकि गेंदबाजों को अलग रणनीति अपनानी होगी।

शिखर धवन के साथ खेलने को लेकर उत्साहित टेलर

टेलर ने शिखर धवन की कप्तानी में खेलने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैंने शिखर के साथ कई बार अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में आमने-सामने मुकाबले खेले हैं, लेकिन पहली बार उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव होगा। मैं अपनी टीम और कप्तान के लिए 100त्न देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

बिपुल शर्मा बोले- 'नया प्रारूप दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण'

दिल्ली रॉयल्स के ऑलराउंडर बिपुल शर्मा ने 90-बॉल फॉर्मेट को लेकर कहा, यह एक दिलचस्प और अनूठा प्रारूप है। यह पारंपरिक 10 या 20 ओवरों के प्रारूप से अलग होगा और इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होगा।

उन्होंने टीम के संतुलन पर बात करते हुए कहा, हमारे पास शिखर धवन और रॉस टेलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिनसे युवा खिलाड़ियों को सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। हम एकजुट होकर खेल का मजा लेंगे और अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करेंगे।

दिल्ली रॉयल्स टीम

शिखर धवन (कप्तान), लेंडल सिमन्स, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, दनुश्का गुनाथिलका, शरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, पुनीत बिस्ट, अनुरीत सिंह, एंजेलो परेरा, प्रवीन गुप्ता।

लीजेंड 90 लीग का पहला मुकाबला शाम 7 बजे से दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा, जहां प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

एसआरएच ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी खरीदी

एजेंसी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी हासिल कर ली है। यॉर्कशायर काउंटी द्वारा संचालित टीम के लिए विजयी बोली 100 मिलियन जीबीपी है। यह इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा बेची गई छठी हंड्रेड फ्रेंचाइजी है और मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स के बाद एसआरएच तीसरी आईपीएल फ्रेंचाइजी है, जिसने 100 गेंदों की प्रतियोगिता में एक टीम हासिल की है। पिछले कुछ दिनों में इंग्लिश बोर्ड ने लंदन स्पिरिट, ओवल इनविंसिबल्स, वेल्श फायर, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स और बर्मिंघम फीनिक्स को बेच दिया है। दो और टीमें - ट्रेंट रॉकेट्स और सदर्न ब्रेव - बिक्री के लिए तैयार हैं।

आईसीसी ने अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप के सफल आयोजन के लिए मलेशिया क्रिकेट एसोसिएशन को दिया धन्यवाद

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के दूसरे संस्करण की सफल मेजबानी के लिए मलेशिया क्रिकेट एसोसिएशन को धन्यवाद दिया। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, 'हम आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2025 की सफल मेजबानी के लिए मलेशिया क्रिकेट एसोसिएशन को धन्यवाद देना चाहते हैं। शानदार आयोजन स्थलों से लेकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के प्रदर्शन तक, मलेशिया ने खेल के भविष्य के सितारों को चमकने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया। हम उन्हें एक सफल आयोजन के लिए बधाई देते हैं और भविष्य में फिर से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ÷इसके अलावा भारत को अपना दूसरा अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप खिताब जीतने के

लिए बधाई और सभी भाग लेने वाली टीमों को, इस आयोजन ने महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर उजागर किया। उल्लेखनीय है कि 18 जनवरी से दो फरवरी तक मलेशिया के बंगी, जोहोर, सरवाक और सेलंगोर में आयोजित किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वेस्टइंडीज के 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की होगी शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की पुरुष क्रिकेट टीम 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से करेगी। यह श्रृंखला 25 जून से 16 जुलाई तक खेली जाएगी। डैरेन सैमी की कोचिंग में यह वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट असाइनमेंट होगा, जिन्होंने रेड-बॉल कोच आंद्रे कोली की जगह ली है। श्रृंखला का पहला टेस्ट बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम में और अंतिम टेस्ट जमैका के सबीना पार्क में होगा। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैच भी खेलेंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सत्र का समापन

वेस्टइंडीज अपनी घरेलू गर्मी का समापन 31 जुलाई से 12 अगस्त तक पाकिस्तान के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के साथ करेगा। टी20 सीरीज फ्लोरिडा में ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होगी, जबकि ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद में एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

इसके बाद वेस्टइंडीज 21 सितंबर से 23 दिसंबर तक भारत, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। बांग्लादेश में टीम तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी, जबकि न्यूजीलैंड दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल

होंगे। वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी में इंग्लैंड और आयरलैंड दौरा 2023 वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद, वेस्टइंडीज 2027 विश्व कप की तैयारी में आयरलैंड और इंग्लैंड में तीन-तीन वनडे और टी20 मैच खेलेगा। आयरलैंड में मुकाबले 21 से 25 मई तक मलाहाइड में होंगे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच 29 मई, 1 जून और 3 जून को हेडिंग्ली, कार्डिफ और द ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम तीन टी20 मैचों के लिए बेलफास्ट लौटेगी, जहां 15 जून को उनका यूके दौरा समाप्त होगा।

वेस्टइंडीज महिला टीम का 2025 अभियान

वेस्टइंडीज की महिला टीम अपने 2025 अभियान की शुरुआत 4 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में विश्व कप क्वालीफायर से करेगी। इस टूर्नामेंट में छह टीमें अगस्त-सितंबर में भारत में होने वाले महिला विश्व कप के दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसके बाद टीम 21 मई से 8 जून तक इंग्लैंड का दौरा करेगी, जहां तीन टी20 और तीन वनडे खेले जाएंगे। फिर वेस्टइंडीज की महिलाएं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्वदेश में तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों में भिड़ेंगी। इन सभी मैचों की मेजबानी बारबाडोस का केंसिंग्टन ओवल करेगा। वेस्टइंडीज की पुरुष और महिला टीमों के व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम से यह साफ है कि वे आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

पतंजलि ग्रुप ने किया आईबीएसफिनटेक से करार

एजेंसी

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेवा के नेतृत्ववाले पतंजलि ग्रुप ने कोष प्रबंधन संबंधी नयी तकनीक के लिए ट्रेजरी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस में विश्व की प्रतिष्ठित फिनटेक कंपनी आईबीएसफिनटेक के साथ साझेदारी की घोषणा की है। पतंजलि समूह ने कहा कि आईबीएसफिनटेक से उसे मिलने वाला तकनीकी समाधान उसके मौजूदा ईआरपी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सहजता के साथ काम करेगा और उसके नकदी तथा व्यापार-वित्त परिचालन में बड़ा सुधार करेगा। समूह ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि एकीकृत ट्रेजरी प्रबंधन समाधान का सफलतापूर्वक समन्वय समूह के डिजिटल विकास में एक परिवर्तनकारी छलांग है। इससे समूह की सूचना आधारित निर्णय लेने की क्षमता, जोखिम प्रबंधन, संगठनात्मक सक्रियता और मजबूती को बढ़ाने वाला है। पतंजलि फूड्स के सीईओ संजीव अस्थाना ने कहा,÷एक वैश्विक ब्रांड के रूप में, यह सहयोग अत्याधुनिक समाधानों का उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। यह हमारे वैश्विक विस्तार लक्ष्यों के अनुरूप है और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, हेजिंग रणनीतियों और बाजार की अस्थिरता की बढ़ती जटिलताओं से निपटने में मदद करता है। पतंजलि समूह के सीएफओ कुमार राजेश ने कहा, वित्तीय पारिस्थितिकी प्रणालियों को सरल बनाने और वास्तविक समय की जानकारी सुनिश्चित करने के माध्यम से, पतंजलि ने बेजोड़ परिचालन पारदर्शिता, चपलता और लचीलापन हासिल किया है।

रुपया 32 पैसे की गिरावट लेकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार शुल्कों को लेकर अनिश्चितता से वैश्विक बाजारों में उत्पन्न अस्थिरता के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 32 पैसे की गिरावट लेकर 87.40 रुपये प्रति डॉलर के सार्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 87.08 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया पांच पैसे उतरकर 87.13 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान डॉलर की लिवाली बढ़ने से 87.50 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, बिकवाली होने से यह 87.12 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 87.08 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 32 पैसे की गिरावट लेकर 87.40 रुपये प्रति डॉलर के सार्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की निरंतर निकासी ने रुपये पर दबाव डाला है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार शुल्कों को लेकर अनिश्चितता ने वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा की, जिससे रुपये की कीमत प्रभावित हुई। बाजार में भारतीय रिजर्व बैंक से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें हैं, जिससे रुपये की मांग में कमी आई है। इन सभी कारकों के संयोजन ने आज रुपये की गिरावट में योगदान दिया है।

टाइटन का तिमाही मुनाफा 0.6 प्रतिशत घटकर 1047 करोड़ पर

नयी दिल्ली। टाटा समूह की प्रमुख लाइफस्टाइल और आभूषण ब्रांड कंपनी टाइटन का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1053 करोड़ रुपये से 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट लेकर 1047 करोड़ रुपये पर आ गया। टाइटन ने बताया कि उसने वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 17723 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के 14122 करोड़ रुपये से 25.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि आभूषण व्यवसाय में उसकी खुदरा बिक्री 25 प्रतिशत से अधिक बढ़ी, जिससे सोने की मजबूत मांग स्पष्ट होती है। एनालॉग घड़ियों के क्षेत्र में भी 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे ब्रांड की बाजार पकड़ मजबूत हुई। आईकेयर सेगमेंट फिर से दहाई अंकों की वृद्धि की ओर लौट आया, जो एक सकारात्मक संकेत है। इस तिमाही में इन्वेंट्री पर सीमा शुल्क से संबंधित घाटा भी पूरी तरह से वसूला जा चुका है। टाइटन के प्रबंध निदेशक सी. के. वेंकटरमण ने कहा, त्योहारी तिमाही ने वित्त वर्ष 2025 के विकास पथ को मजबूती से स्थापित किया है। आभूषणों ने अब तक की सबसे मजबूत तिमाही देखी है और उपभोक्ताओं की सोने के प्रति रुचि बनी हुई है। कंपनी उभरते व्यवसायों में निवेश जारी रखेगी और वित्त वर्ष 2024 की तुलना में बेहतर वृद्धि की उम्मीद करती है।

पांच साल में सेल का सीएसआर साढ़े चार गुना बढ़कर 1.6 अरब पर

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात उत्पादक कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) का पिछले पांच वर्ष में कॉर्पोरेट-सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) साढ़े चार गुना से अधिक बढ़कर एक अरब 58 करोड़ 75 लाख रुपये पर पहुंच गया। इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने लोकसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि सेल ने वित्त वर्ष 2019-20 में सीएसआर मद में 33 करोड़ रुपये का आवंटन किया था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में साढ़े चार गुना से अधिक बढ़कर एक अरब 58 करोड़ 75 लाख रुपये पर पहुंच गया। साथ ही वित्त वर्ष 2020-21 में उसका सीएसआर 39 करोड़ 44 लाख रुपये, वित्त वर्ष 2021-22 में 80 करोड़ 47 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर एक अरब 57 करोड़ 95 लाख रुपये हो गया। इसी तरह आलोच्य अवधि में सेल का राज्यों पर किया गया सीएसआर व्यय 27 करोड़ 56 लाख रुपये के मुकाबले करीब छह गुना बढ़कर एक अरब 61 करोड़ 93 लाख रुपये हो गया।

अंबुजा नेवटिया ग्रुप का बड़ा ऐलान, पश्चिम बंगाल में करेगा 1500 करोड़ का निवेश

एजेंसी

कोलकाता। अंबुजा नेवटिया ग्रुप ने पश्चिम बंगाल में 1500 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। यह निवेश अगले पांच वर्षों में स्वास्थ्य, आतिथ्य, रियल एस्टेट और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किया जाएगा। इस परियोजना के तहत राज्य में पांच नए अस्पताल, ताज होटल्स के साथ लग्जरी होटल सर्किट, गोल्फ-थीम टाउनशिप और बड़े पैमाने पर आवासीय एवं वाणिज्यिक परियोजनाओं का विकास किया जाएगा। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) में अंबुजा नेवटिया ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन नेवटिया ने इस महत्वपूर्ण निवेश योजना की घोषणा की। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार की उद्योगों को बढ़ावा देने वाली नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि बंगाल हमेशा से हमारा

घर और कर्मभूमि रहा है। हम इसके विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन परियोजनाओं से नई नौकरियां पैदा होंगी, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और राज्य को व्यापार एवं पर्यटन का हब बनाने में मदद मिलेगी।अंबुजा नेवटिया ग्रुप स्वास्थ्य क्षेत्र में 1500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जिसके तहत राज्य में पांच नए अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। इन अस्पतालों में कुल एक हजार 300 नए बेड जोड़े जाएंगे, जिससे कोलकाता, दुर्गापुर और सिलीगुड़ी जैसे शहरों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। ग्रुप दो हजार 700 करोड़ रुपये की लागत से एक लग्जरी हॉस्पिटैलिटी सर्किट विकसित करेगा। इसके तहत ताज होटल्स के साथ साझेदारी में सात नए होटल बनाए जाएंगे, जो दार्जिलिंग, दीघा और सुंदरबन जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थित होंगे। इसके अलावा, कोलकाता और सिलीगुड़ी में दो बड़े कन्वेंशन होटल भी बनाए जाएंगे, जिससे राज्य में पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी। अंबुजा नेवटिया ग्रुप पांच हजार करोड़ रुपये की लागत से 240 एकड़ में फैली एक गोल्फ-थीम टाउनशिप विकसित करेगा। इस परियोजना में 18-होल गोल्फ कोर्स, लग्जरी विला, अपार्टमेंट और एक गोल्फ होटल शामिल होगा। यह पश्चिम बंगाल के रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक अनूठा योगदान होगा। आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के तहत ग्रुप छह हजार 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इस योजना में नौ बड़े प्रोजेक्ट शामिल होंगे, जिनमें लाखों वर्गफुट का निर्मित क्षेत्र जोड़ा जाएगा।

बंगाल बिजनेस समिट के पहले दिन राज्य को मिले है एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 के पहले दिन करीब एक लाख करोड़ रुपये निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। बुधवार देर रात राज्य सरकार के एक बयान में यह दावा किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीरभूम जिले में स्थित देउचा-पचामी कोल ब्लॉक से कोयला खनन शुरू करने की घोषणा की।ममता बनर्जी ने कहा कि देउचा पचामी, जो दुनिया के सबसे बड़े कोयला ब्लॉकों में से एक है, जहां 1240 मिलियन टन कोयले और 2600 मिलियन टन बेसाल्ट का भंडार है। तृणमूल कांग्रेस ने इस मौके को ऐतिहासिक बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, बीरभूम में देउचा पचामी में कोयला खनन से विकास, अवसर और आत्मनिर्भरता के एक नए युग की शुरुआत होगी। भूमि अधिग्रहण और स्थानीय लोगों को मुआवजा देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजीबीएस मंच से इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समिट के उद्घाटन सत्र के समापन पर कहा कि बंगाल की आर्थिक प्रगति उल्लेखनीय रही है।

राज्य के कर राजस्व में 4.73 गुना वृद्धि हुई है, पूंजीगत व्यय 13.85 गुना बढ़ा है, सामाजिक क्षेत्र में निवेश 13.38 गुना बढ़ा है और कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 10.17 गुना वृद्धि हुई है। यह विकास समावेशी और सतत विकास को दर्शाता है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना 86 हजार के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत मे जोरदार तेजी नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 86 हजार रुपये के स्तर को और 22 कैरेट सोना 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। सोना आज 950 रुपये से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 86,250 रुपये से लेकर 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,060 रुपये से लेकर 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में आज 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये

प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईआईसीए और सीएमएआई ने डीकार्बोनाइजेशन की क्षमता बढ़ाने के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कार्बन बाजारों को मजबूत करने और डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारतीय कॉरपोरेट मामलों के संस्थान (आईआईसीए) और कार्बन मार्केट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस ऐतिहासिक समझौते की घोषणा मंगलवार को वैश्विक और भारतीय कार्बन बाजारों पर आईआईसीए- सीएमएआई मास्टरक्लास के उद्घाटन दिवस पर की गई। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी इस समझौते के अवसर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने भारत के आर्थिक और पर्यावरणीय भविष्य को आकार देने में जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बायो बिटुमिन, बायो एविएशन-फ्यूल, बायो सीएनजी से संबंधित पायलट परियोजनाओं को साझा किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि 'ाान को धन में बदलना ही भविष्य है और कोई भी सामग्री बेकार नहीं जाती'।

नितिन गडकरी ने पीपीपी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि 'हाइड्रोजन भविष्य के लिए ईंधन है'। मंत्री ने हाइड्रोजन की कीमत 1 डॉलर प्रति किलोग्राम करने के अपने विजन को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारत इस क्षेत्र में अपने अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास पहलों के कारण इसे हासिल करने वाला अग्रणी देश होगा। इस समझौते के तहत सीएमएआई और आईआईसीए निम्नलिखित पर सहयोग करेंगे:-

प्रशिक्षण कार्यक्रमः-

कार्बन बाज़ार, कम कार्बन औद्योगिक समाधान और संधारणीय वित्त पर पाठ्यक्रम विकसित करना और उन्हें वितरित करना।

संयुक्त अनुसंधानः-

डीकार्बोनाइजेशन रणनीतियों और कार्बन ट्रेडिंग तंत्र पर अध्ययन करना और अंतर्दृष्टि प्रकाशित करना।

कार्यशालाएं और सम्मेलनः-

उद्योग हितधारकों, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों के बीच संवाद को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना।

नीति वकालतः-

भारत की शुद्ध शून्य महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने वाले विनियामक और नीति ढाँचों का समर्थन करना।

सेमीकंडक्टर के डिजाइन में कौशल की मांग को पूरा करेगा नोएडा का नया उत्कृष्टता केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइन उद्योगों में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एक नए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का शुभारंभ किया है। इस केंद्र का उद्घाटन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने किया। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) के नोएडा परिसर में मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) के एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का उद्घाटन किया। यह केंद्र भारत की सेमीकंडक्टर के डिजाइन और विकास क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सचिव एस. कृष्णन ने प्रोजेक्ट लैब और स्मार्ट क्लास रूम सहित केंद्र की अत्याधुनिक सुविधाओं का दौरा किया। उन्?होंने कहा कि ये प्रोजेक्ट लैब छात्रों, पेशेवरों और शोधकर्ताओं के बीच अभिनव चिप डिजाइन परियोजनाओं पर सहयोग के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा। इसी दौरान उन्नत शिक्षण सहायक सामग्री से लैस स्मार्ट क्लासरूम छात्रों को बेहतर शिक्षण अनुभव प्रदान करेगा। मंत्रालय के अनुसार डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप एसओसीटीमअप सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से स्थापित यह केंद्र भारत की सेमीकंडक्टर के डिजाइन और विकास क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नया उत्कृष्टता केंद्र, वीएलएसआई (बहुत बड़े पैमाने पर एकीकरण) और चिप डिजाइन में अनुसंधान, नवाचार एवं प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करके सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइन उद्योगों में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। इस मौके पर वीएलएसआई-आधारित बौद्धिक संपदा (आईपी) का एक विशेष प्रदर्शन भी किया गया, जो सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बौद्धिक संपदा के डिजाइन और विकास को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस प्रदर्शन ने वीएलएसआई में एक मजबूत ज्ञान आधार बनाने और उद्योग की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिभा के एक पूल को विकसित करने में केंद्र की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वीएलएसआई और चिप डिजाइन में अनुसंधान, नवाचार एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा देना मंत्रालय के मुताबिक सेमीकंडक्टर संबंधी नवाचार में वैश्विक अग्रणी बनने के दृष्टिकोण के साथ यह केंद्र वीएलएसआई और चिप डिजाइन को उन्नत बनाने का काम करेगा। विश्वस्तरीय शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग से जुड़े सहयोग को बढ़ावा देकर, केंद्र वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की मांग को पूरा करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देगा तथा अत्यधिक कुशल प्रतिभा पूल विकसित करेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी क्षेत्रों में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

भारत एआई और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार: सैम ऑल्टमैन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत कृत्रिम मेधा (एआई) और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने यहां केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। भारत की यात्रा पर आए ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत सामान्य रूप से एआई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, विशेष रूप से 'ओपन' एआई के लिए यह हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत को अपने पूर्ण मॉडल के साथ एआई क्रांति के अगुआ देशों में शामिल होना चाहिए। अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान सैम ऑल्टमैन ने कहा कि देश में पिछले साल ओपनएआई के उपयोगकर्ताओं की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने स्टैक, चिप्स, मॉडल और ''अविश्वसनीय अनुप्रयोगों'' के सभी स्तरों पर एआई के निर्माण में भारत के प्रयासों की जोरदार सराहना की। उन्होंने भारत को एआई के क्षेत्र में पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। सैम ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की सराहना की है। वैष्णव ने इस बातचीत के दौरान कहा कि नवाचार दुनिया में कहीं भी हो सकता है तो ''यह भारत में क्यों नहीं होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ऑल्टमैन की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब ओपनएआई और एआई के प्रभुत्व को अचानक चीनी कंपनी डीपसीक द्वारा चुनौती मिल रही है। डीपसीक अपने कम लागत वाले एआई मॉडल आर1 के साथ लोगों का का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

प. बंगाल में 2030 तक 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी रिलायंसः मुकेश अंबानी

एजेंसी

कोलकाता/नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने इस दशक के अंत तक पश्चिम बंगाल में 50 हजार करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की। उन्?होंने कहा कि इस निवेश से राज्य में एक लाख नौकरियों का सृजन होगा। मुकेश अंबानी ने यहां 8वें बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि रिलायंस पश्चिम बंगाल में 2030 तक 50 हजार करोड़ रुपये के नए निवेश करेगी। बंगाल में हमारा निवेश केवल वित्तीय नहीं है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भावनात्मक निवेश है। बंगाल में निजी क्षेत्र के अग्रणी नियोक्ताओं में से एक के रूप में

आज मेरे पास संभावित निवेशकों के लिए एक सिफारिश और एक अपील है, जो आज यहां मौजूद हैं और जो नहीं हैं। मुकेश अंबानी ने कहा कि सबसे पहले मैं बंगाल की अधिष्ठात्री देवी मां काली की पूजा करता हूं। बंगाल की पवित्र भूमि के सभी महान बेटों और बेटियों को श्रद्धांजलि देना भी मेरा परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद से लेकर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर तक बंकिम चंद्र चटर्जी से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस तक, सत्यजीत रे से लेकर हेमंत मुखर्जी तक, बंगाल ने अध्यात्म, साहित्य, कला, संस्कृति और निश्चित रूप से देशभक्ति के क्षेत्र में महान नेताओं को जन्म दिया है। बंगाल हमेशा से ही पुनर्जागरण की भूमि रहा है। अब बंगाल अर्थव्यवस्था और व्यापार में भी पुनर्जागरण का गवाह बन रहा है। मुकेश अंबानी ने कहा कि आमतौर पर माना जाता है कि पश्चिमी राज्य अर्थव्यवस्था और व्यापार में अग्रणी हैं लेकिन यह स्थिति तेजी से बदल रही है। रिलायंस को राज्य में व्यापार करने का एक शानदार अनुभव रहा है। ममता दीदी भारत की सबसे योग्य प्रशासकों में से एक हैं। दीदी के नेतृत्व में, बंगाल में व्यापार समुदाय को रेड-कार्पेट उपचार मिलता है। भरपूर बंगाल आपका स्वागत करता है। रिलायंस प्रमुख ने कहा कि तो, दोस्तों, बंगाल आइए और बंगाल की विकास कहानी में नए और सुंदर अध्याय लिखिए और मुख्यमंत्री ममता दीदी, एक बार फिर मैं आपको आश्वासन देता हूं कि रिलायंस हमेशा एक विश्वसनीय भागीदार रहेगा। मुकेश अंबानी ने कहा, भारत को उन्नत विनिर्माण क्षमताओं के साथ एक गहन तकनीक वाले राष्ट्र में बदलने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपरिहार्य है।

भारत में सोने की मांग 2024 में 5 फीसदी बढ़कर 802.8 टन: डब्ल्यूजीसी

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। देश में सोने की मांग में दिन-ब-दिन इजाफा हो रहा है। सोने की मांग आयात शुल्क में कटौती, शादी-ब्याह और त्योहारों से संबंधित खरीदारी से 2024 में सालाना आधार पर पांच फीसदी बढ़कर 802.8 टन पर पहुंच गई है। साल 2025 में पीली धातु की खपत 700-800 टन के बीच रहने की संभावना है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 फीसदी बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया, जो 2023 में 3,92,000 करोड़ रुपये था। डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान मांग 265.8 टन पर स्थिर रही है, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है। आभूषणों की मांग 2024 में दो फीसदी घटकर 563.4 टन रह गई, जो 2023 में 575.8 टन थी।

साल 2024 में सोने का आयात चार फीसदी घटकर 712.1 टन रह गया जबकि 2023 में यह 744 टन था।रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्तर पर 2024 में सोने की मांग काफी हद तक स्थिर रही है।

यह 2023 की तुलना में एक फीसदी मामूली वृद्धि के साथ 4,974 टन रही। इसकी मुख्य वजह उच्च कीमतें, कमजोर आर्थिक वृद्धि और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद आभूषणों की मांग में गिरावट है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्तर पर 2023 में कुल सोने की मांग 4,945.9 टन रही थी, जो 2024 में 4,974 टन हो गई है।

उल्लेखनीय है कि 2024 में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाइयों तक पहुंच गई थी। आभूषण विक्रेताओं व खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी में सोना की कीमत 500 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इस वर्ष सोना 6,410 रुपये या 8.07 फीसदी चढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे,

जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.50 प्रतिशत लुढ़ककर 72.34 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

उतार-चढ़ाव के बीच लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। मंगलवार की जोरदार तेजी के बाद आज घरेलू शेयर बाजार में दबाव के साथ कारोबार होता नजर आया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के साथ शुरू किए गए टैरिफ वॉर और आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक के पहले घरेलू शेयर बाजार में आज निवेशक सतर्क मुद्रा में रहे। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन दिन के कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में कई बार लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार रिकवरी करने में सफल नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर हेल्थ केयर, मेटल और ऑयल ऐंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, कैपिटल गुड्स, आईटी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.42 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.12 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 425.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.62 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,105 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,559 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,407 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 139 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,569 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,796 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 773 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 120.79 अंक की मजबूती के साथ 78,704.60 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 151.60 अंक की तेजी के साथ 78,735.41 अंक तक पहुंच गया।

लाहौर प्रशासन से हाई कोर्ट ने कहा- पीटीआई की रैली पर आज शाम तक फैसला लो

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के आठ फरवरी को लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान में रैली करने के ऐलान से प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए हैं। पीटीआई 10 दिन पहले लाहौर जिला प्रशासन को इसकी सूचना देते हुए अनुमति मांगी थी। प्रशासन से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पीटीआई ने तीन फरवरी को लाहौर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने लाहौर के डिप्टी कमिश्नर को आज शाम तक फैसला लेने का आदेश दिया है। द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, पीटीआई ने आगामी आठ फरवरी को मीनार-ए-पाकिस्तान पर पिछले साल के आम चुनाव की पहली वर्षगांठ के अवसर पर काला दिवस मनाने का फैसला किया है। पीटीआई ने बाकायदा जिला प्रशासन से रैली करने की अनुमति मांगी। जवाब न मिलने पर पीटीआई की कानूनी टीम ने हाई कोर्ट से गुहार लगाई। हाई कोर्ट के जस्टिस फारूक हैदर ने आज तीन फरवरी को दायर पीटीआई नेता आलिया हमजा की याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस हैदर ने सुनवाई के दौरान पंजाब प्रांत के मुख्य सचिव जाहिद अख्तर जमां को ही तलब किया। आनन फानन में मुख्य सचिव और डीसी मूसा रजा अदालत में पेश हुए। जस्टिस हैदर ने सीधा सवाल किया कि क्या ऐसे आवेदनों पर निर्णय लेने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित की गई है।

भारत के चाय पत्ती आयात पर बदले प्रावधानों से नेपाली निर्यातक संकट में

काठमांडू। भारत के चाय पत्ती आयात करने के नए प्रावधानों ने नेपाली निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ा दी है। नेपाली चायपत्ती उत्पादक संघ ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को अपनी चिंता से अवगत कराया है। ओली ने संघ को आश्वासन दिया है कि नेपाल सरकार इसके लिए भारत सरकार से बात करेगी ।भारत ने हाल ही में नए प्रावधान लागू करते हुए नीलामी प्रक्रिया से ही विदेश से चाय पत्ती का आयात करने का फैसला किया है। नेपाल चायपत्ती उत्पादक संघ के अध्यक्ष आदित्य पराजुली का कहना है कि इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। भारतीय बाजार में जाने वाली चाय पत्ती की मात्रा घट गई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया है। पराजुली ने बताया कि प्रधानमंत्री ने समस्या के समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयास करने का आश्वासन दिया है। नेपाल जल्द ही भारतीय दूतावास के माध्यम से अपनी पक्ष भारत सरकार के सामने रखेगा। नेपाल से करीब 600 करोड़ रुपये की चाय पत्ती का सालाना निर्यात किया जाता है। नेपाल से हर वर्ष एक करोड़ 20 लाख किलोग्राम सीटीसी चाय पत्ती और 50 लाख किलोग्राम आर्थोडॉक्स चाय पत्ती का निर्यात भारत को किया जाता है। नेपाल में उत्पादित कुल चाय पत्ती का 80 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ भारत में निर्यात होता है।

पाकिस्तान के रमजान चीनी मिल भ्रष्टाचार केस में प्रधानमंत्री शहबाज और पुत्र हमजा बरी

इस्लामाबाद। लाहौर की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत के जज सरदार इकबाल डोगर ने आज प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शहबाज को रमजान चीनी मिल भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया। जज डोगर ने सोमवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह केस तब का है जब शहबाज शरीफ पंजाब के मुख्यमंत्री थे। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, शहबाज पर बेटों के स्वामित्व वाली रमजान चीनी मिल की सुविधा के लिए कराए गए निर्माण पर सार्वजनिक धन (500 मिलियन रुपये) का उपयोग करके अधिकार के दुरुपयोग का आरोप लगा था। निचली अदालत ने शहबाज और हमजा को 2019 में इस केस में दोषी ठहराया था। इसके बाद राष्ट्रीय जवाबदेही अध्यादेश 1999 में संशोधन किया गया। फिर सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से इसे सितंबर 2024 में लाहौर की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत में भेजा गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री शहबाज और 10 अन्य को नवंबर 2023 में आशियाना-ए-इकबाल हाउसिंग स्कीम केस में लाहौर की एक जवाबदेही अदालत बरी कर चुकी है।

यूक्रेन की सेना ने नेपाल के दो युवकों को नौ महीने बाद छोड़ा

काठमांडू। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन की सेना के कब्जे में रहे नेपाल के दो युवकों को नौ महीने बाद रिहा कर दिया गया। दोनों को प्रवासी नेपाली संघ यूक्रेन को सौंपा गया। प्रवासी नेपाली संघ यूक्रेन के अध्यक्ष डॉ. बद्री केसी ने टेलीफोन पर बताया कि पिछले नौ महीने से यूक्रेन के डिटेंशन सेंटर में रहे नेपाल के तेह्थुम जिले के निवासी 29 वर्षीय फुर्वा शेरपा और इसी जिले के 39 वर्षीय सांबो शेरपा को यूक्रेन की सेना ने रिहा कर दिया है। जर्मनी स्थित नेपाली राजदूत डॉ. शैल रूपखेती दोनों युवकों को लेने के लिए कीव पहुंचे। दोनों युवकों को टर्किश एयर से काठमांडू भेज दिया गया है। यह विमान शुक्रवार दोपहर काठमांडू पहुंचेगा। राजदूत रूपखेती ने बताया कि नौकरी के झांसे में करीब 10 महीने पहले ये दोनों युवक यूक्रेन आए थे। नई दिल्ली स्थित एक कंसल्टेंसी के जरिये कीव पहुंचे इन दोनों को रूस के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में रखा गया। उधर, इन दोनों की रिहाई पर परिवार वालों ने खुशी व्यक्त की है।

इजरायली हमलों में गाजा के 226 पुरातात्विक स्थल क्षतिग्रस्त, फिलिस्तीनी मंत्रालय का आरोप - हमारी पहचान मिटाने की कोशिश

एजेंसी

रामल्ला । इजरायली हमलों ने गाजा में 226 पुरातात्विक स्थलों को नुकसान पहुंचाया है। इन स्थलों की मरम्मत में 261 मिलियन यूरो की लागत आने का अनुमान है। फिलिस्तीनी पर्यटन और पुरावशेष मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि गाजा के 138 सांस्कृतिक विरासत स्थलों को भारी नुकसान हुआ। 61 को मध्यम नुकसान हुआ और 27 को कम नुकसान हुआ। 90 स्थलों को कोई नुकसान नहीं हुआ और वे सुरक्षित हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने इजरायली बलों पर जानबूझकर ऐतिहासिक स्थलों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उसने कहा कि ये स्थल फिलिस्तीनी राष्ट्रीय पहचान के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मंत्रालय ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण केंद्र के साथ मिलकर 'गाजा में सांस्कृतिक विरासत स्थलों को नुकसान और जोखिमों की सूची' नामक एक रिपोर्ट

जारी की। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की टीम के साथ मिलकर एक साल में 13 फिलिस्तीनी विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट तैयार की। इस रिपोर्ट में गाजा के 316 सांस्कृतिक विरासत स्थलों की जांच की गई। इसमें पुरातात्विक स्थल, ऐतिहासिक भवन, संग्रहालय, धार्मिक स्थल, कब्रिस्तान, सांस्कृतिक दृश्य, प्राकृतिक स्थल और लैंडमार्क शामिल हैं। यह जानकारी पर्यटन और पुरावशेष मंत्री हानी अल-हायेक ने दी थी।रामल्ला में मंत्रालय के मुख्यालय में मंत्री ने बताया कि रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सभी स्थलों का विस्तार से सर्वे किया गया, उपग्रह चित्रों का विश्लेषण किया गया, डाटा इकट्ठा किया गया, हर साइट का मॉडल बनाया गया। फिर इस जानकारी का विश्लेषण करके नुकसान की सीमा का आकलन किया गया। अनुमान है कि सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र को फिर से ठीक करने के लिए 261.15 मिलियन यूरो की राशि चाहिए होगी, जिसे आठ सालों में तीन चरणों में लागू किया जाएगा। मंत्री अल-हायेक ने कहा कि ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थल फिलिस्तीनी लोगों के इतिहास और पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इन स्थलों को निशाना बनाना जानबूझकर फिलिस्तीनी राष्ट्रीय पहचान के इस अहम हिस्से को मिटा और नष्ट कर रहा है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायली शहरों पर हमास के अचानक हमले के बाद इजरायल ने फिलिस्तीनी क्षेत्र के खिलाफ बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू किया। हमास के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया।

राष्ट्रपति जरदारी ने बीजिंग में चीन के प्रधानमंत्री कियांग से की मुलाकात

एजेंसी

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आज बीजिंग में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। राष्ट्रपति सचिवालय ने इस्लामाबाद में जारी बयान में कहा गया कि उच्चस्तरीय बैठक ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई। दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और कृषि में गहन सहयोग पर जोर देते हुए सीपीईसी 2.0 को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। चर्चा का उद्देश्य साझा आर्थिक प्रगति में तेजी लाना और दोनों देशों के बीच आम समृद्धि को बढ़ावा देना था।द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, जरदारी और कियांग ने द्विपक्षीय व्यवसाय और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति जरदारी ने चीन-पाकिस्तान की स्थायी और गहरी जड़ों वाली ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक को-ऑपरेटिव पार्टनरशिप के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। इस उच्चस्तरीय बैठक में राष्ट्रपति जरदारी के अलावा उपप्रधान मंत्री इशाक डार और मुख्यमंत्री (सिंध) मुराद अली शाह भी मौजूद रहे। बैठक में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर राष्ट्रपति जरदारी पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर मंगलवार को बीजिंग पहुंचे हैं। जरदारी की कल बीजिंग में अपने समकक्ष जिनपिंग से मुलाकात हो चुकी है। जरदारी ने मंगलवार को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी से भी मुलाकात की।

अमेरिका के बाद इजरायल का संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से अलग होने का ऐलान

एजेंसी

यरूशलम । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से अमेरिका के हटने की घोषणा के बाद इजरायल ने कहा कि वह इस फैसले में वाशिंगटन के साथ है। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सा'आर ने ट्रंप के फैसले के प्रति यहूदी राष्ट्र का समर्थन व्यक्त किया।

उन्होंने ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इजरायल राष्ट्रपति ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भाग नहीं लेने के फैसले का स्वागत करता है। इजरायल इस मुद्दे पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ है और यूएनएचआरसी में शामिल नहीं होगा।'

इजरायली मंत्री ने यूएनएचआरसी पर मध्य पूर्व में 'एकमात्र लोकतंत्र [इजरायल],' को जुनूनी रूप से बदनाम करने वाला बताया। उन्होंने कहा, 'इस निकाय ने मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के बजाय एक लोकतांत्रिक देश पर हमला करने और यहूदी-विरोधी भावना को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।' गिदोन सा'आर ने कहा,

'इजरायल के खिलाफ 100 से अधिक निंदा प्रस्ताव पारित किए गए हैं, जो परिषद में अब तक पारित सभी प्रस्तावों का 20 प्रतिशत से अधिक है। यह संख्या ईरान, क्यूबा, उत्तर कोरिया और वेनेजुएला के खिलाफ पारित प्रस्तावों से भी अधिक है। इजरायल अब इस भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगा! इजरायल के विदेश मंत्री की यह घोषणा इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की अमेरिका यात्रा के दौरान आई है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूएनएचआरसी और संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) से अमेरिका के अलग होने की घोषणा की, जिसकी हमास के साथ कथित संबंधों के आरोपों को लेकर काफी आलोचना हुई थी। ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की।

वाशिंगटन विमान दुर्घटना में सभी 67 मृतकों के अवशेष मिले

एजेंसी

वाशिंगटन । पिछले हफ्ते वाशिंगटन में हुए यात्री विमान और हेलीकॉप्टर के बीच टकराव में मारे गए सभी 67 लोगों के अवशेष बचाव दल ने बरामद कर लिए हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, इनमें से 66 मृतकों की पहचान की जा चुकी है।

संयुक्त कमांड ने बताया कि उनकी टीमें अब भी दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे को पोटोमैक नदी से हटाने में जुटी हैं। बड़े हिस्सों को निकालने के लिए मंगलवार रात तक काम जारी रहेगा। , जब पर्यावरण और ज्वार की स्थिति अनुकूल होगी, तब मलबा हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसके बाद ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के बचे हुए हिस्से को निकालने का काम शुरू होगा। यह दुर्घटना तब हुई जब बुधवार रात एक यात्री विमान, जिसमें 64 लोग सवार थे, वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर उतरते समय सेना के हेलीकॉप्टर से टकरा गया। दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए। हेलीकॉप्टर में तीन अमेरिकी सैनिक मौजूद थे। यह 1982 के बाद वॉशिंगटन में हुई सबसे भीषण

विमान दुर्घटना मानी जा रही है। इस हादसे की जांच अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड कर रहा है। गुरुवार को वाशिंगटन के दमकल प्रमुख जॉन डॉनेली ने बताया कि अब बचाव अभियान को राहत और शव बरामदगी अभियान में बदला जा रहा है, क्योंकि इस दुर्घटना में किसी के जीवित बचने की संभावना नहीं है।उन्होंने बताया कि बुधवार रात 8:48 बजे हवाई यातायात नियंत्रण टावर ने दुर्घटना का अलर्ट जारी किया था, जिसके बाद लगभग 300 बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा, बचाव दल को बेहद ठंड का सामना करना पड़ा। तेज हवाएं चल रही थीं। पानी पर बर्फ जमी हुई थी, और उन्होंने इन कठिन परिस्थितियों में पूरी रात काम किया। परिवहन सचिव सीन डफी ने बताया कि हेलीकॉप्टर और विमान दोनों सामान्य मार्ग पर उड़ रहे थे, लेकिन किस वजह से यह टकराव हुआ, इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है। जांच एजेंसियां इस पर काम कर रही हैं।

सिंगापुर ने नस्लीय सद्भाव बनाए रखने के लिए कानून पारित किया

एजेंसी

सिंगापुर । सिंगापुर की संसद ने नस्लीय सद्भाव को ध्यान में रखते हुए मेंटेनेंस ऑफ रेसियल हार्मनी बिल और इसके साथ जुड़े संवैधानिक संशोधनों को पारित कर दिया है। इस बिल में मुख्य प्रावधानों में 'रोकथाम आदेश' प्रणाली, नस्लीय घटनाओं को संबोधित करने के लिए एक सामुदायिक दृष्टिकोण और नस्ल-आधारित संस्थाओं को विदेशी प्रभाव का उपकरण बनने से रोकने के लिए सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

इस नए कानून के तहत, गृह मंत्री को उन व्यक्तियों के खिलाफ रोकथाम आदेश जारी करने का अधिकार होगा जो ऐसी सामग्री का संचार, उत्पादन या वितरण करते हैं जो नस्लीय सौहार्द को खतरा पैदा करती है। एक बार आदेश जारी होने के बाद, उसे एक नए स्थापित राष्ट्रपति परिषद द्वारा समीक्षा की जाएगी, जो राष्ट्रपति को सिफारिश करेगी। राष्ट्रपति, परिषद की सिफारिश और मंत्रिमंडल की

सलाह को ध्यान में रखते हुए, आदेश को रद्द, पुष्टि या बदलने का अधिकार रखेंगे।

सिन्हुआ समाचार की रिपोर्ट के अनुसार, बहस के दौरान, विपक्षी वर्कर्स पार्टी ने राष्ट्रपति की भागीदारी के बारे में चिंता जताई और तर्क दिया कि मंत्री के फैसलों की संसदीय और सार्वजनिक निगरानी पर्याप्त होनी चाहिए। इसके जवाब में, गृह मंत्री के. षणमुगम ने कहा कि सरकार का विचार है कि संसद और जनता मंत्री की शक्ति पर महत्वपूर्ण नियंत्रण हैं, लेकिन परिषद और राष्ट्रपति के माध्यम से एक अतिरिक्त निगरानी रखना भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपति सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं। मंत्री द्वारा इस्तेमाल की जा सकने वाली शक्ति पर राष्ट्रपति का नियंत्रण रखना उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें, यह एक निर्णय का सवाल है। यह बिल पहले 2021 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ली शियन लूंग द्वारा प्रस्तावित किया गया था। उस वर्ष अपने राष्ट्रीय दिवस रैली भाषण में ली ने नस्लीय सद्भाव के लिए कानून बनाने की योजना की घोषणा की थी ताकि सिंगापुर की नस्लीय सद्भाव खतरों से निपटने की क्षमता को बढ़ाया जा सके और समाज में नस्लीय और धार्मिक सामंजस्य के समान महत्व को स्थापित किया जा सके। गृह मंत्रालय ने इस बिल को संसद में पहली बार 7 जनवरी को प्रस्तुत किया था। सिंगापुर एक बहु-जातीय जनसंख्या वाला देश है, जहां 2020 की जनगणना के अनुसार, वहां की निवासी जनसंख्या में 74.3 प्रतिशत चीनी, 13.5 प्रतिशत मलय और 9.0 प्रतिशत भारतीय हैं।

राष्ट्रीय सभा में बहुमत नहीं जुटा पाने के बाद अध्यादेश पर वोटिंग से पीछे हटी ओली सरकार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार के पिछले महीने लाए गए 6 अध्यादेशों को गुरुवार को संसद के दोनों सदनों से पारित करने की कार्यसूची से हटा दिया गया है। उच्च सदन राष्ट्रीय सभा में सरकार के पक्ष में बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण सरकार को इससे पीछे हटना पड़ा है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने इसकी पुष्टि की है। कई कानूनों के संशोधन को लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने पिछले महीने एक के बाद एक कर के छह अध्यादेश जारी किए थे। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक अध्यादेश जारी होने के बाद वाले संसद सत्र में इन अध्यादेशों को संसद के दोनों सदनों से पारित करने पर ही इनकी वैधता कायम रहती है। ओली सरकार के पास प्रतिनिधि सभा में जहां दो तिहाई बहुमत है वहीं उच्च सदन राष्ट्रीय सभा में वो अल्पमत में है। राष्ट्रीय सभा में निर्णायक भूमिका में रहे जनता समाजवादी पार्टी नेपाल (जसपा नेपाल) के तीन सांसदों के समर्थन से ही यह अध्यादेश पारित होने वाला है। संसद की कार्रवाई शुरू होने तक जसपा नेपाल ने अध्यादेश पर कोई निर्णय नहीं किया था। जसपा नेपाल के अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने बताया कि अध्यादेश पर समर्थन को लेकर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री ओली और सत्तारूढ़ गठबंधन दल के नेता शेर बहादुर देउवा से हुई है। उनकी कुछ मांगे हैं जिस पर सत्तारूढ़ दलों के तरफ से सकारात्मक जवाब आने के बाद ही वो निर्णय लेंगे। इसी बीच कानून मंत्री अजय चौरसिया ने स्पीकर देवराज घिमिरे से मुलाकात कर संसद की कार्यसूची से अध्यादेश को पारित करने वाले विषय को हटाने का आग्रह किया।

ट्रंप ने ईरान को समझौते की पेशकश की, विनाश की धमकी भी दी

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौता करने की पेशकश की, लेकिन साथ ही यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान नहीं मानता है, तो यह उसके घातक साबित होगा। इसके अलावा, उन्होंने ईरान की तेल बिक्री को रोकने के लिए उस पर 'अधिकतम दबाव' डालने का आदेश दिया।व्हाइट हाउस में एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैं ईरान से यह कहना चाहता हूं कि मैं एक बड़ा समझौता करना चाहता हूं। एक ऐसा समझौता जिससे वे अपनी जिंदगी आगे बढ़ा सकें।' लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो यह ईरान के लिए बहुत दुर्भाग्यशाली साबित होगा। ट्रंप के इस रुख में बदलाव देखा गया क्योंकि अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने ईरान

के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए हुए बहुराष्ट्रीय समझौते को रद्द कर दिया था। बाद में, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अगर ईरान उनकी हत्या का प्रयास करता है, तो उसे पूरी तरह मिटा दिया जाए। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने उन्हें मारने की साजिश रची थी। इस मामले में न्यूयॉर्क में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने दोहराया कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की, तो ÷यह उसका अंत होगा। उन्होंने कहा, ÷मैंने पहले ही आदेश दे दिए हैं, अगर उन्होंने ऐसा किया, तो उन्हें मिटा दिया जाएगा। कुछ भी नहीं बचेगा। ट्रंप ने ईरान की तेल बिक्री रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की बात भी कही। उन्होंने कहा, मैंने ईरान पर अधिकतम दबाव की नीति फिर से लागू की है। हम फिर से कड़े प्रतिबंध लगाएंगे, ईरान के तेल निर्यात को शून्य कर देंगे और उनके आतंकवाद को धन देने की क्षमता को खत्म करेंगे।ट्रंप का यह प्रस्ताव उनके अनोखे कूटनीतिक तरीकों का हिस्सा है। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन से तीन बार मुलाकात की थी, लेकिन प्योंगयांग को परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए राजी नहीं कर सके थे।

स्वीडन के स्कूल में चली ताबड़तोड़ गोलियां, 11 की मौत

एजेंसी

हेलसिंकी । स्वीडिश अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ओरेब्रो के एक स्कूल में हुई सामूहिक गोलीबारी में 11 लोग मारे गए हैं। इसे देश के प्रधानमंत्री ने स्वीडन के इतिहास का सबसे घातक हमला बताया है। स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने मंगलवार देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि स्वीडन के मध्य ओरेब्रो में स्कूल में हुई गोलीबारी देश के इतिहास की सबसे बड़ी सामूहिक गोलीबारी है। इससे पहले स्वीडिश पुलिस ने मंगलवार शाम को पुष्टि की कि गोलीबारी में लगभग दस लोग मारे गए। यह घटना ओरेब्रो स्थित रिसबर्गस्का स्कोलन नामक शिक्षा केंद्र में हुई। पुलिस के अनुसार, मृतकों में संदिग्ध शूटर भी शामिल है।समाचार एजेंसी ने बताया कि जांच और आगे की तलाश जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों की सही संख्या अभी भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, शुरुआती निष्कर्षों से

संकेत मिलता है कि संदिग्ध ने अकेले ही यह काम किया।पुलिस ने यह भी कहा कि उन्हें गोलीबारी के पीछे का मकसद नहीं पता है, लेकिन यह आतंकवाद नहीं लगता। उन्होंने कहा कि उन्हें हमले के बारे में ÷कोई वॉर्निंग साइन नहीं मिला था। क्रिस्टर्सन ने जनता से अटकलें लगाने से बचने की अपील की, इस बात पर जोर देते हुए कि अधिकारियों को अपनी जांच करने के लिए जगह दी जानी चाहिए। स्वीडिश न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रोमर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, स्वीडिश जनता कारण जानना चाहती है, लेकिन उन्हें जवाब का इंतजार करना होगा। समय के साथ, तस्वीर साफ हो जाएगी। राजा कार्ल सोलहवें गुस्ताफ ने एक बयान में अपनी संवेदना व्यक्त की, इस दिन को स्वीडन के लिए काला दिन बताया। उन्होंने पीड़ितों और घायलों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और पुलिस, बचाव और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। रिसबर्गस्का स्कोलन मुख्य रूप से 20 साल से अधिक आयु के वयस्कों की सेवा करता है।

हैजा प्रभावित शहर में शुरू होगा टीकाकरण अभियान

एजेंसी

लुसाका । जाम्बिया में हैजा के प्रकोप से प्रभावित कॉपरबेल्ट प्रांत के चिलीलाबोम्बे शहर में टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री एलिजा मुचिमा ने हैजा की स्थिति पर एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, सरकार ने प्रांत में हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन, गावी और अन्य भागीदारों के साथ चर्चा शुरू की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मुचिमा ने कहा कि जिले के लिए टीकों की लगभग 1,29,000 खुराकें निर्धारित की गई हैं और टीकाकरण अभियान 7 फरवरी से शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, टीकाकरण हमारी हैजा प्रतिक्रिया रणनीति की आधारशिला है।, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टीकाकरण के लिए तैयारियां और बीमारी के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण शुरू हो गया है। उनके अनुसार, हैजा प्रकोप को नियंत्रित करने और फैलने से रोकने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष से समुदाय-आधारित स्वयंसेवकों की संख्या मौजूदा 50 से बढ़ाकर 150 करने की उम्मीद है। मुचिमा ने कहा कि अधिकांश मरीज चिललाबोम्ब्वे के निवासी नहीं हैं, बल्कि अन्य शहरों के व्यापारी हैं, जो बिना उचित पानी और स्वच्छता सुविधाओं के अस्थायी शेल्टर में रहते हैं।

ट्रंप 'अमेरिका विरोधी' बताते हुए संयुक्त राष्ट्र की फंडिंग की समीक्षा करने की मांग की

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अपने देश की भूमिका और वित्तीय योगदान की समीक्षा करने का आदेश दिया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि अमेरिका अब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में भाग नहीं लेगा और न ही फिलिस्तीनियों की सहायता करने वाली संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) को धन देगा।

मंगलवार को हस्ताक्षर किए गए अपने कार्यकारी आदेश में, ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर अमेरिका के हितों के खिलाफ काम करने, उसके सहयोगियों पर हमला करने और यहूदी विरोधी विचार फैलाने का आरोप लगाया। अमेरिका सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और यूएन के कुल बजट का 22 प्रतिशत देता है। ट्रंप इसे अनुचित बोझ मानते हैं। यदि अमेरिका अपने योगदान में कोई बड़ा बदलाव करता है, तो इसका यूएन पर गहरा असर पड़ सकता है। ट्रंप से पहले राष्ट्रपति रहे जो बाइडेन के कार्यकाल में भी अमेरिका पहले ही मानवाधिकार परिषद से बाहर हो चुका था और यूएनआरडब्ल्यूए को फंडिंग बंद कर दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टेफेन डुजारिक ने ट्रंप के आदेश से पहले कहा, ÷अमेरिका जो भी फैसला करेगा, वह उसका अधिकार है, लेकिन मानवाधिकार परिषद की अहमियत पर हमारी राय नहीं बदलेगी। आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा कि

यूएनआरडब्ल्यूए का पैसा हमास तक पहुंचा, जो मानवता के खिलाफ काम करता है। बाइडेन प्रशासन ने भी यूएनआरडब्ल्यूए की फंडिंग इसलिए रोकी थी क्योंकि उस पर आरोप था कि उसके कुछ कर्मचारी हमास से जुड़े थे और उसकी सुविधाओं का आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल हुआ। ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका ने यूनेस्को से भी खुद को अलग कर लिया था, जिसे बाइडेन प्रशासन ने फिर से जॉइन किया। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने यूनेस्को की समीक्षा के लिए तेज़ प्रक्रिया अपनाने को कहा, क्योंकि इसका 'इजरायल विरोधी रुख' रहा है। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने सबसे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को बाहर कर दिया था, क्योंकि उन्होंने उस पर कोविड संकट को गलत तरीके से संभालने और चीन का समर्थन करने का आरोप लगाया था।

स्थानीय समाचार

सलाहकार नासिर असलम राबता कार्यालय श्रीनगर में जनता से जुड़े

श्रीनगर 06 फरवरी। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने राबता कार्यालय में प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों के साथ बातचीत की।

श्रीनगर, बडगाम, सोपोर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों से लोग अपने क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले प्रमुख विकासात्मक और नागरिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आगे आए।

इन बातचीत के दौरान सड़क बुनियादी ढांचे, बिजली आपूर्ति, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और रोजगार के अवसरों सहित व्यापक चिंताओं को उठाया गया।

सलाहकार वानी ने चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुनते हुए प्रतिनिधिमंडलों को आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों को त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ उठाया जाएगा।

उन्होंने जन कल्याण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता और नागरिकों की चिंताओं को दूर करने के प्रति अपने सक्रिय दृष्टिकोण को दोहराया।

उन्होंने कहा सरकार प्रशासन और लोगों के बीच की दूरी को पाटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम यहां सुनने, कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि जनता की चिंताओं को समयबद्ध तरीके से हल किया जाए।

उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक भागीदारी सरकार के विकास एजेंडे की आधारशिला है, और इस तरह की बातचीत यह सुनिश्चित करने के लिए जारी रहेगी कि शासन जन-केंद्रित और पारदर्शी बना रहे।

इस पहल की जनता ने व्यापक रूप से सराहना की, जिन्होंने अपने मुद्दों को सीधे प्रशासन तक पहुँचाने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

सलाहकार ने आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक मांगों पर संबंधित विभागों के साथ विचार किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जल्द से जल्द आवश्यक उपाय किए जाएं।

जावेद राणा ने गुर्जर नेता और स्वतंत्रता सेनानी लेफ्टिनेंट फैज़ हुसैन इंकलाब पर सेमिनार का उद्घाटन किया

जम्मू 26 फरवरी। जल शक्ति, वन, जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद राणा ने के.एल. सहगल हॉल में प्रख्यात गुर्जर नेता और स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय फैज़ हुसैन इंकलाब पर एक दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन किया। कार्यक्रम जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी द्वारा गोजरी भाषा में ही आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर के प्रमुख लेखकों और विद्वानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सचिव जेकेएएसीएल हरविंदर कौर, मुख्य संपादक जेकेएएसीएल डॉ. जावेद राही, पूर्व एमएलसी रहीम दाद, मशहूर लेखक राशिद आजम इंकलाबी और चौधरी मो. राशिद अध्यक्ष मंडल में बीजीएसबी विश्वविद्यालय राजौरी के पूर्व रजिस्ट्रार भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, जावेद राणा ने एक समुदाय की पहचान को संरक्षित करने में भाषा के महत्व पर जोर दिया और गोजरी भाषा और आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने में लेफ्टिनेंट फैज़ हुसैन इंकलाब के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दोनों सीमावर्ती जिलों के लोगों को सुधारने में इंकलाब की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्रीय एकता और बाहरी खतरों के खिलाफकठिन समय में सीमावर्ती क्षेत्रों की विभिन्न पहचानों को एकजुट करने में उनके योगदान को आने वाले समय में हमेशा याद रखा जाएगा।

मंत्री ने इस उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम को राजधानी शहर में आयोजित करने के लिए जेकेएएसीएल की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

हरविंदर कौर ने अपने संबोधन में, जम्मू-कश्मीर की एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में गोजरी के महत्व को रेखांकित किया और भाषा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार और दस्तावेज़ीकरण के लिए जेकेएएसीएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने युवा पीढ़ी से लेफ्टिनेंट इंकलाब जैसे नायकों की विरासत को याद रखने और उससे जुड़ने का आग्रह किया।

प्रसिद्ध लेखक चौ. राशिद आजमइंकलाबी ने लेफ्टिनेंट इंकलाब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी विरासत का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका गरीबों, वंचितों और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के उत्थान की दिशा में काम करना है।

सेमिनार में दिवंगत नेता को संगीतमय श्रद्धांजलि भी दी गई, जिसमें अयाज़ अहमद सैफ़, अनीसा करीम, बरकित हुसैन और क़मर शब्बन ने प्रस्तुति दी, उनके साथ बांसुरी पर राकेश आनंद, तबले पर सयाल जसरोत्या और ऑक्टोपैड पर राकेश कुमार थे।

कार्यक्रम का समापन महमूद रायज़ द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, और गोजरी अनुभाग के शौकत नसीम ने कार्यवाही का संचालन किया।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, सतीश शर्मा ने चौकी चौरा में जनता दरबार लगाया

जम्मू 06 फरवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने एएसीएस और सीए, परिवहन, युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा के साथ चौकी चौरा जिला जम्मू में एक जनता दरबार लगाया और लोगों की शिकायतों का जायजा लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य निवासियों के सामने आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान करना था।

जनता दरबार के दौरान, उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री ने चौकी चौरा के डीडीसी, बीडीसी और पीआरआई के नेतृत्व में स्थानीय लोगों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को हल किया।

ये मुद्दे मुख्य रूप से सड़क संपर्क, अनियमित बिजली और पानी की आपूर्ति, बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, विभिन्न विभागों विशेषकर स्कूलों में पर्याप्त कर्मचारियों से संबंधित थे।

उन्होंने चौकी चौरा और मैरा मंद्रियां में दो डिग्री कॉलेज, गेस्ट हाउस, आईटीआई कॉलेज, हाई स्कूलों का उच्चीकरण, फायर स्टेशन, एम्बुलेंस सेवा आदि की भी मांग की।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चिंताओं का तुरंत समाधान करने और जनता के कल्याण के लिए सभी निर्देशों को अक्षरशः लागू करने के सख्त निर्देश जारी किए।

उपमुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से लोगों से मुलाकात की, उनकी शिकायतें सुनीं और उनके मुद्दों के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की।

सुरिंदर चौधरी ने अधिकारियों को सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार दौरे करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जनता दरबार आयोजित करना जनता की शिकायतों को उनके दरवाजे पर सीधे हल करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

सीएम योगी ने किया किसान मेले का उद्घाटन, कहा- आत्मनिर्भरता से ही विकसित होगा उत्तराखंड

पौड़ी गढ़वाल, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे, जहां उन्होंने यमकेश्वर स्थित गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय किसान मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ जी महराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही, देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। किसान मेले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और आधुनिक कृषि तकनीकों को करीब से देखा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की कृषि को आत्मनिर्भर और उन्नत बनाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार के सहयोग से यह महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

उत्तराखंड की कृषि और खाद्य सुरक्षा पर सीएम योगी का जोर

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उत्तराखंड के जीवतंत्र कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का विशेष उल्लेख किया और बताया कि यह विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा संस्थान है जो कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि 1960 में उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत के नाम पर इस विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी, जब देश में खाद्यान्न संकट था। इस विश्वविद्यालय ने हरित क्रांति को बढ़ावा देकर देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत किया। योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी की अन्न योजना का जिक्र करते हुए बताया कि आज 80 करोड़ से अधिक लोगों को सरकार मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि, खाद्यान्न सुरक्षा से बड़ी कोई गारंटी इस दुनिया में नहीं हो सकती।

सीएम योगी ने की कृषि को पारंपरिक रूप से जोड़ने की अपील

सीएम योगी ने स्थानीय किसानों से अपील की कि वे अपनी मूल कृषि परंपराओं को छोड़कर केवल भौतिक विकास पर निर्भर न रहें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में खेती योग्य भूमि बंजर होती जा रही है, जिसे बागवानी और सब्जी उत्पादन के माध्यम से पुनः उपजाऊ बनाया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसान अपनी जमीन का सही उपयोग करें और कृषि विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों की मदद से आधुनिक तकनीकों को अपनाएं, तो वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं और उत्तराखंड को खुशहाल बना सकते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उत्तराखंड का योगदान जरूरी- सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राज्य की कृषि और समृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी जरूरी है।

उन्होंने स्थानीय युवाओं से आह्वान किया कि वे रोजगार के लिए पलायन न करें बल्कि अपनी भूमि पर ही उन्नत कृषि और अन्य उत्पादक कार्यों में संलग्न हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को जल संरक्षण, वेलनेस सेंटर और आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रगति करनी चाहिए। उन्होंने नशामुक्त समाज की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को पूरी तरह नशामुक्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जाने चाहिए।

जुलाई से महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की होगी शुरूआत- योगी

योगी आदित्यनाथ ने सिंचाई और कनेक्टिविटी को लेकर भी कई योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं शुरू की जा रही हैं और शिक्षा के क्षेत्र में नए संस्थान खोले जा रहे हैं। जुलाई से महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय में विज्ञान संकाय शुरू किया जाएगा और स्टेडियम निर्माण कार्य भी तेज गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में बकरी पालन और कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने पर जोर दिया और कहा कि यह किसानों के लिए एक बेहतर आय का स्रोत बन सकता है।

उन्होंने बताया कि इस किसान मेले में कुछ किसानों को बकरी और उन्नत बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि,卐बकरी का दूध फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों को कम करने में सहायक होता है और इससे किसान आर्थिक रूप से भी मजबूत हो सकते हैं।卐

मुख्यमंत्री ने 卐लोकल फॉर वोकल卐 अभियान पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर ही हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल एक विचार नहीं बल्कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवभूमि उत्तराखंड के लोगों से अपील की कि वे अपनी परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाएं और कृषि क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भारत का मुकुट है। यहां की समृद्धि केवल राज्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा और विकास के लिए भी आवश्यक है। हमें मिलकर उत्तराखंड को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए कार्य करना होगा।

सीएम योगी ने महंत अवेद्यनाथ जी महराज की प्रतिमा पर किया माल्यार्पणमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गुरु गोखनाथ महाविद्यालय में स्थापित महंत अवेद्यनाथ जी महराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान सीएम योगी ने उन्होंने महाविद्यालय से जुड़ी यादों को ताजा करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय की स्थापना में मेरे गुरू महंत अवेद्यनाथ जी और पिता आनंद सिंह विष्ट ने कड़ी मेहनत की है।

सीएम योगी ने सीडीएस बिपिन रावत की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

सीएम योगी ने यहां जनरल बिपिन रावत मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा स्थापित देश के पहले सीडिएस जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि के सपूत जनरल बिपिन रावत जी देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ थे। उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाने के लिए और देश में जगह-जगह उनका स्मारक बनाने के लिए जनरल बिपिन रावत मेमोरियल फाउंडेशन को बधाई का पात्र है। इस महाविद्यालय हमारे पिता की स्मृतियों को बनाए रखने के लिए देश के आन बान शान का प्रतीक 100 फिट ऊंचा तिरंगा फहराने के लिए फाउंडेशन को धन्यवाद देता हूं। इस दौरान उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महराज, धनसिंह रावत, जीवी पंत कृषि एवं प्रौग्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति मनहोहन सिंह चौहान, विधायन रेनू विष्ट, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. धीर सिंह, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, जनरल बिपिन रावत मेमोरियल फाउंडेशन के सचिव मंजीत सिंह नेगी, गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय के प्रचार्य योजेश कुमार शर्मा समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

उपराज्यपाल ने जम्मू आए उत्तर-पूर्वी राज्यों के युवाओं के साथ बातचीत की

जम्मू 06 फरवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कन्वेंशन सेंटर में एबीवीपी के स्टूडेंट्स एक्सपीरियंस इन इंटर-स्टेट लिविंग पहल के तहत जम्मू आए उत्तर-पूर्वी राज्यों के युवाओं के साथ बातचीत की।

उपराज्यपाल ने युवाओं से एक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने कहा, मैं चाहता हूं कि हमारे युवा समाज के कमजोर और असुरक्षित वर्गों की जरूरतों और आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करें ताकि वे विकास प्रक्रिया में भाग ले सकें और सर्वांगीण प्रगति में योगदान दे सकें।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पहल की सराहना की, जिसका उद्देश्य एकता को बढ़ावा देना और युवाओं को विविधता में एकता का अनुभव करने के अवसर प्रदान करना है।

उपराज्यपाल ने कहा, ''मुझे बेहद गर्व है कि दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपनी स्थापना के बाद से ही भौगोलिक दूरियों को मिटाकर एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है और युवाओं को भारत की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ा है।

1965 में शुरू किए गए एसईआईएल कार्यक्रम ने उत्तर-पूर्व क्षेत्र और देश के बाकी हिस्सों के युवाओं के बीच एक भावनात्मक पुल बनाया है। अपने आदर्श वाक्य एक राष्ट्र, एक लोग, एक संस्कृति के साथ यह अद्भुत पहल, एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने और युवाओं को वास्तविक अर्थों में विविधता में एकता को जीने और समझने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।''

एसईआईएल कार्यक्रम की विशिष्ट विशेषता यह है कि प्रत्येक छात्र एक स्थानीय परिवार के साथ रहता है, जो उनके साथ मेहमानों के रूप में नहीं बल्कि परिवार के सदस्यों के रूप में व्यवहार करता है। इससे छात्रों को स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली को समझने का मौका मिलता है जबकि मेजबान परिवारों को भी भारत की सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने का अवसर मिलता है।

विविधता के बीच एकता का मुख्य आधार हमारा भावनात्मक बंधन है और सभी छात्रों ने जम्मू में रहने के दौरान अपने परिवारों के बीच इसे महसूस किया होगा। मुझे उम्मीद है कि युवाओं ने अपनी यात्रा के दौरान एकता के जो आदर्श और मूल्य सीखे हैं, वे जीवन भर उनका मार्गदर्शन करते रहेंगे।''

उपराज्यपाल ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर-पूर्व राज्यों की विकास यात्रा पर भी बात की। उन्होंने उत्तर-पूर्व राज्यों की प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

उपराज्यपाल ने लोगों से बड़ी संख्या में उत्तर-पूर्व क्षेत्र का दौरा करने और उनकी प्राकृतिक सुंदरता और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का अनुभव करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे आने वाले युवाओं से नए जम्मू कश्मीर का राजदूत बनने के लिए कहा।

इस अवसर पर, उत्तर-पूर्व राज्यों के छात्रों ने भी एसईआईएल कार्यक्रम के अपने अनुभव साझा किए। दौरे के दौरान युवा प्रतिनिधि जहां रुके थे, उन मेजबान परिवारों को भी उपराज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस वर्ष, एसईआईएल पहल के तहत, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, असम, त्रिपुरा, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के 30 छात्रों ने जम्मू का दौरा किया और प्रत्येक छात्र को स्थानीय परिवार के सदस्य के रूप में रहने का अवसर मिला। जम्मू में अपने प्रवास के दौरान, प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की समृद्ध विरासत और परंपराओं को समझने के लिए विभिन्न संवाद सत्रों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शैक्षिक यात्राओं का भी अनुभव किया।

मुख्यमंत्री उमर ने जन प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श का एक और दौर आयोजित किया

जम्मू 06 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लगातार दूसरे दिन हितधारकों के साथ बजट-पूर्व परामर्श जारी रखा और इस बात पर जोर दिया कि जन प्रतिनिधियों से फीडबैक महत्वपूर्ण है क्योंकि वे लोगों से सीधे जुड़े रहते हैं।

इस अभ्यास के हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री ने बारामूला, उधमपुर, कुलगाम और रामबन जिलों के जिला विकास परिषद अध्यक्षों और विधान सभा सदस्यों के साथ कई परामर्शी बैठकें कीं।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने समावेशी बजट निर्माण प्रक्रिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा विधानसभा बजट पारित कर सकती है, लेकिन इसे अलग-अलग तरीके से तैयार नहीं किया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि डीडीसी अध्यक्षों और विधायकों सहित जन प्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर विचार किया जाए और उनकी जरूरतों और आकांक्षाओं को बजट में प्रतिबिंबित किया जाए।

उन्होंने आगे इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह के परामर्श जमीनी हकीकत की स्पष्ट तस्वीर प्रदान करते हैं, जिससे सरकार को ऐसी नीतियां बनाने में मदद मिलती है जो सार्वजनिक चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर करती हैं। उन्होंने कहा, ये चर्चाएं न केवल हमें अल्पकालिक बजट योजना बनाने में मदद करेंगी बल्कि दीर्घकालिक नीति निर्माण में भी योगदान देंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि शासन की प्राथमिकताएं लोगों की जरूरतों के अनुरूप हों।

बैठक के दौरान संबंधित जिलों के डीडीसी अध्यक्षों और विधायकों ने अपनी प्राथमिकता वाली मांगें प्रस्तुत कीं। प्रतिभागियों ने सड़कों, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, बिजली आपूर्ति बुनियादी ढांचे, ग्रामीण विकास, जल आपूर्ति, शिक्षा, खेल सुविधाओं, भर्ती, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण और पशुपालन से संबंधित प्रमुख मुद्दे और मांगें उठाईं।

इसके अतिरिक्त, शहरी विकास, वन मंजूरी, नशीली दवाओं के खतरे, पर्यटन को बढ़ावा देने, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पार्किंग सुविधाओं और नई विकास परियोजनाओं से संबंधित चिंताओं पर भी चर्चा की गई।

विधायकों ने अमृत 2.0 के तहत मुख्य शहरों में जल आपूर्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया और कार्यों की निविदा में मुद्दों को सुलझाने का आह्वान किया ताकि जेजेएम के तहत धन का उपयोग किया जा सके। अन्य मुद्दों और मांगों में, बिजली के बुनियादी ढांचे का उन्नयन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, अस्पतालों और पीएचसी को महत्वपूर्ण कर्मचारी प्रदान करना, स्कूलों में भवन के बुनियादी ढांचे का भौतिक ऑडिट, वुल्लर झील संरक्षण, बाढ़ सुरक्षा कार्य, ग्रामीण क्षेत्रों में अग्निशमन सेवा केंद्रों की स्थापना, जिला मुख्यालयों में भीड़ कम करना, पार्किंग सुविधाएं और जिलों और उप जिलों में मिनी-सचिवालय भवनों के निर्माण को विधायकों और डीडीसी अध्यक्षों द्वारा प्रस्तावित किया गया।

बैठक में व्यक्तिगत रूप से और वस्तुतः डी.एच. पोरा का प्रतिनिधित्व करने वाली मंत्री सकीना इत्तू, रफ़ियाबाद विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जावेद अहमद डार और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रधान सचिव वित्त संतोष डी. वैद्य, महानिदेशक बजट, महानिदेशक व्यय प्रभाग-1 के साथ-साथ संबंधित जिलों के विधायक, डीडीसी अध्यक्ष और उपायुक्त भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने जन प्रतिनिधियों को उनके सुझावों के लिए धन्यवाद दिया और इस बात पर जोर दिया कि इन बैठकों का प्राथमिक उद्देश्य उनके बहुमूल्य इनपुट को शामिल करके और उनकी प्रतिक्रिया को सुनकर एक जन-केंद्रित बजट तैयार करना है। कल, चल रहे परामर्श के हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अनंतनाग, कठुआ, सांबा और बडगाम जिलों के जन प्रतिनिधियों के साथ इसी तरह की बैठकें की थीं, जिसमें विभिन्न विकास परियोजनाओं की मांग और बजटीय आवश्यकताओं पर चर्चा की गई थी।